● जयपुर, बुधवार, 25 सितंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 40 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

सुविचार
"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"
● स्वामी विवेकानंद

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950
दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझुनू, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 होटल मालिक तथा कर्मचारियों के साथ गंभीर मारपीट तथा होटल...
पेज @4 राजस्थान विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम...
पेज @8 बजट घोषणाओं की समय पर क्रियान्विति सुनिश्चित करें:जोराराम कुमावत...

यूपी में एक और एनकाउंटर: एक लाख का इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर, आरपीएफ के दो जवानों की हत्या में था शामिल

लखनऊ/एजेंसी। आरपीएफ के दो जवानों को ट्रेन से धक्का देकर मारने वाले एक लाख के इनामी बदमाश मोहम्मद जाहिद को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया है। आरपीएफ के दोनों सिपाहियों जावेद खान और प्रमोद कुमार ने अवैध शराब की तस्करी को रोकने की कोशिश की थी, जिस वजह से जाहिद ने दोनों जवानों की हत्या कर दी गई थी। बता दें कि पिछले महीने 19-20 अगस्त की रात में बाड़मेर गुवाहाटी एक्सप्रेस में दो सिपाहियों जावेद ख़ान और प्रमोद कुमार को ट्रेन से धक्का दिया गया था, जिसमें उनकी मौत हो गई थी। इसी मामले में आरोपी जाहिद पर एक लाख रुपए का इनाम रखा था। अब स्ज्ञस्त्र ने साजिद को मुठभेड़ में मार गिराया है। बता दें कि आरोपी साजिद के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। आरोपी जाहिद को गाजीपुर के थाना दिलदार नगर क्षेत्र से घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया था। बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। वह मूल रूप से मंसूर गली पेढ़िमा बाज़ार , फुलवारीशरीफ़ पटना, बिहार का रहने वाला था। घायल बदमाश के ऊपर अपहरण, मारपीट और शराब तस्करी के कई केस दर्ज थे।

कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर के खिलाफ एनआईए की बड़ी कार्रवाई, 11 से अधिक जगहों पर की छापेमारी

तमिलनाडु/एजेंसी। एनआईए ने भारत में कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एनआईए की टीम ने तमिलनाडु में 11 जगहों पर रेड की। गौर हो कि यह संगठन दुनियाभर के कई देशों मे प्रतिबंधित है और युवाओं का ब्रेनवॉश करके देशविरोधी कामों में लगाता है। इस मामले में बीते दिनों चेन्नई सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने मुकदमा दर्ज किया था। अब इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी है।

चेन्नई सेंट्रल क्राइम ब्रांच के मुताबिक रोयापेट्टा के रहने वाले एक पिता-पुत्र और उनके सहयोगियों ने लोगों को हिज्ब-उत-तहरीर में शामिल करने के लिए उनका ब्रेनवॉश किया था। आतंकवाद से जुड़े मामले को क्राइम ब्रांच ने एनआईए को सौंप दिया है। इसी तरह के मामले से जुड़े पहले गिरफ्तार किए गए कुछ आरोपियों से भी पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में कुछ जानकारी मिलने के बाद ही पुदुक्कोट्टई, कन्याकुमारी और तांबरम समेत 11 जगहों पर एनआईए ने कार्रवाई शुरू कर दी।

हिज्ब-उत-तहरीर भड×काऊ तकरीरें सुनाकर युवाओं को बरगलाने की कोशिश करता है। यह युवाओं को जिहाद के लिए तैयार करने के अलावा उन्हें हथियारों की ट्रेनिंग भी देता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी की सफल अमेरिका यात्रा पर दी बधाई

रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में समझौतों से देश को मिलेगी मजबूती : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 24 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीन दिवसीय सफल अमेरिका यात्रा के बाद स्वदेश लौटने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक पटल पर भारत नई उंचाईयां छू रहा है। प्रधानमंत्री भारत को विश्व में एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र बनाने और दुनिया के देशों के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। इसी संकल्प के तहत उन्होंने अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा की जिसके तहत उन्होंने विभिन्न सम्मेलनों एवं बैठकों में हिस्सा लिया तथा प्रवासी भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया।

रक्षा और तकनीक क्षेत्र में समझौतों से भारत होगा मजबूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका के बीच हुए रक्षा सहयोग समझौते के तहत मिलने वाले ड्रोन से देश की सेनाओं की टोही क्षमताओं एवं खुफिया निगरानी की क्षमता का और अधिक विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि श्री मोदी की अमेरिका यात्रा तकनीक, एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग और सेमीकंडक्टर को बढ़ावा देने के लिहाज से भी काफी अहम रही, जिसके भविष्य में सार्थक परिणाम आने से भारत तकनीकी क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में उभरेगा। अमेरिका के साथ एक समझौते के तहत भारत में सेमीकंडक्टर फेब्रिकेशन प्लांट की स्थापना भी की जा रही है।

प्रवासी भारतीयों में प्रधानमंत्री जी का उद्बोधन सुनने का भारी उत्साह

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका यात्रा के दौरान नसाऊ कोलीजियम में मोदी एण्ड यूएस कार्यक्रम में उनका ओजस्वी उद्बोधन को सुनने के लिए अमेरिका के लगभग 40 राज्यों से 13 हजार से अधिक प्रवासी भारतीय भाई-बहन एकत्रित हुए जो कि हमारे प्रधानमंत्री जी की लोकप्रियता का एक अनुपम उदाहरण है। शर्मा ने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। मोदी एक ऐसा वैश्विक समुदाय बनाने की कोशिश कर रहे हैं जो अपने मेजबान देश के साथ ही, मातृभूमि की मदद के लिए हमेशा तैयार रहे। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री की इस महत्वपूर्ण यात्रा से भारत की ग्लोबल लीडर के रूप में बढ़ती हुई छवि को और मजबूती मिलेगी तथा वैश्विक समुदाय का भारत के प्रति समर्थन और अधिक मजबूत होगा।

भारत की वैश्विक शांति के प्रयासों के प्रति कटिबद्धता

शर्मा ने कहा कि यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने क्वाड शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों के साथ सार्थक चर्चा की, जिससे कई वैश्विक मुद्दों के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'समिट ऑफ दी फ्यूचर' सम्मेलन में दिया गया प्रधानमंत्री जी का संबोधन मध्य-पूर्व में जारी इजराइल-हमास संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में किया गया महत्वपूर्ण प्रयास है। यह भारत की वैश्विक शांति के प्रयासों के प्रति कटिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री जी की यूक्रेन के राष्ट्रपति, कुवैत के क्राउन प्रिंस, वियतनाम के राष्ट्रपति तथा नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ विभिन्न द्विपक्षीय मुलाकातें भी महत्वपूर्ण रही जिसमें इन देशों के साथ भारत के संबंध और मजबूत हुए हैं।

मुख्यमंत्री का हरियाणा एवं झारखण्ड दौरा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हरियाणा में विभिन्न चुनावी सभाओं तथा झारखण्ड में परिवर्तन यात्रा जनसभा को करेंगे संबोधित

चमकता राजस्थान

जयपुर, 24 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आगामी 26 एवं 27 सितम्बर को हरियाणा में विभिन्न चुनावी सभाओं तथा 28 सितम्बर को झारखण्ड में परिवर्तन यात्रा जनसभा को संबोधित करेंगे।

शर्मा 26 सितम्बर को समलखा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मनमोहन भड़ाना के समर्थन में अनाज मंडी, समलखा में आयोजित जनसभा को संबोधित करेगे। इसी दिन एक दूसरी जनसभा में वे राई विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती कृष्णा गहलावत के समर्थन में राई के कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित सभा को संबोधित करेंगे। वें इन्द्री विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी राम कुमार कश्यप के समर्थन में इन्द्री स्थित बजाज फार्म में भी जनसभा करेंगे।

चुनावी दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री शर्मा 27 सितम्बर को हरियाणा में ही 3 अन्य चुनावी सभाएं करेंगे, जिनमें पहली चुनावी सभा आसन्ध विधानसभा सीट के लिए भाजपा प्रत्याशी योगेन्द्र राणा के समर्थन में करनाल जिले के जुण्डला अनाज मंडी में आयोजित होगी। वहीं, दूस-री चुनावी सभा तोशम विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुश्री श्रुति चौधरी के समर्थन में बापोदा गांव में आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त तीसरी चुनावी सभा नांगल चौधरी विधानसभा सीट के लिए भाजपा प्रत्याशी डॉ. अभय सिंह यादव के समर्थन में नांगल चौधरी की अनाज मंडी में आयोजित होगी।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री 28 सितम्बर को झारखण्ड जाएंगे, जहां वे देवघर में परिवर्तन यात्रा जनसभा को संबोधित करेंगे।

पश्चिम बंगाल में मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतरे

कोलकाता/एजेंसी।

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में न्यू मयनागुड़ी स्टेशन के पास मंगलवार सुबह एक मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। मालगाड़ी खाली थी, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है।

ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद रेल सेवाओं में किसी तरह की बाधा उत्पन्न होने की खबर नहीं है। चश्मदीदों ने बताया कि घटना के समय मालगाड़ी की रफ्तार काफी धीमी थी, इसलिए इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा।

पटरी से उतरे डिब्बों की चपेट में आने से स्टेशन पर दो बिजली के खंभे और पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गईं। सूचना मिलने पर वरिष्ठ रेलवे अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए।

रेलवे सूत्रों ने बताया कि ट्रेन के पटरी से उतरने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है।

बता दें कि 17 जून को दार्जिलिंग जिले के रंगापानी स्टेशन के पास कंचनजंगा एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी के बीच टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी। मालगाड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस से पीछे से टकराई थी। गनीमत यह रही थी कि हताहतों की संख्या बहुत ज़्यादा नहीं थी, क्योंकि कंचनजंगा एक्सप्रेस के आखिरी दो डिब्बे पार्सल कोच और गार्ड के डिब्बे थे।

शुरुआती जांच में पता चला है कि मालगाड़ी ने पेपर लाइन क्लियर टिकट (पीएलसीटी) के साथ रंगापानी और चट्टर हाट के बीच की दूरी तय करते समय 15 किलोमीटर प्रति घंटे की प्रतिबंधित गति सीमा को पार कर लिया था। उस दूरी के भीतर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम काम नहीं कर रहा था। रफ्तार सीमा से अधिक होने के कारण मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी थी।

पीएलसीटी एक पेपर ऑथराइजेशन है जो किसी ट्रेन को उस दूरी के भीतर लाल सिग्नल को अनदेखा करने के लिए जारी किया जाता है, जहां ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम खराब होता है। हालांकि, ऐसे पीएलसीटी में उस दूरी के भीतर 15 किलोमीटर प्रति घंटे की प्रतिबंधित गति सीमा होती है जहां ऑथराइजेशन सिग्नलिंग काम नहीं करता है।

ट्रेन पलटने की साजिश' का दावा निकला फर्जी, नाइट ड्यूटी और प्रमोशन के लिए रेलवे कर्मियों ने ही बनाया था प्लान

सूरत/एजेंसी।

गुजरात में 'ट्रेन पलटने की साजिश' का खुलासा पूरी तरह फर्जी निकला है। प्रमोशन, पुरुस्कार और नाइट ड्यूटी की चाहत में तीन रेलवे कर्मचारियों ने ही साजिश रची थी। उन्होंने हादसा टालने का दावा किया था, लेकिन जांच में चौंकाने वाला खुलासा होने पर तीनों को दबोच लिया गया। सूरत के पुलिस अधीक्षक (एसपी) होतेश जॉयसर ने बताया कि गिरफ्तार कर्मचारियों की पहचान सुभाष पोद्दार (39), मनीष मिस्त्री (28) और शुभम जायसवाल (26) के रूप में हुई है, जो रेलवे के रखरखाव विभाग में ट्रैकमैन के पद पर तैनात हैं। पोद्दार और उसके साथियों ने कोसांबा और किम स्टेशन के बीच शनिवार सुबह 5.30 बजे पटरी की जांच के दौरान बड़ा दावा किया। उन्होंने ऊपर के अधिकारियों को सूचना दी कि 'शरारती तत्वों' ने ट्रेन को पटरी से उतारने के लिए एक तरफ की पटरी से इलास्टिक क्लिप और दो फिशप्लेट हटा दी है। उन्होंने इसका वीडियो भी रिकॉर्ड करके भेजा था। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत आपराधिक साजिश का केस दर्ज करके जांच शुरू की। पुलिस ने पाया कि जिस वक्त क्षतिग्रस्त पटरी का वीडियो भेजा गया उससे कुछ पल पहले ही वहां से एक ट्रेन गुजरी थी।

नोएडा : चलती ट्रेन से आरपीएफ के दो सिपाहियों को फेंकने वाला बदमाश मुठभेड़ में ढेर

नोएडा/एजेंसी। यूपी-एसटीएफ की नोएडा यूनिट और गाजीपुर पुलिस ने बीती रात आरपीएफ के दो सिपाहियों की हत्या में वांछित बदमाश को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। आरोपी पर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। मारा गया बदमाश, कुख्यात शराब तस्कर गैंग का सदस्य था। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर बाड़मेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन में 19 अगस्त की रात में आरपीएफ के दो सिपाहियों जावेद ख़ान और प्रमोद कुमार को चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया था। इस घटना में उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि 23 सितंबर को गाजीपुर में दिलदारनगर थाना क्षेत्र में सोमवार की रात यूपी-एसटीएफ की नोएडा यूनिट और जिला पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया है। वह आरपीएफ के दो सिपाहियों की हत्या में वांछित था। मुठभेड़ में बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे इलाज के लिए तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चर्बी के आरोपों के बीच एक और मामला आया सामने

तिरुपति मंदिर के लड्डू में अब तंबाकू की मिलावट का दावा

नई दिल्ली/एजेंसी।

तिरुपति स्थित मंदिर के प्रसाद में कथित तौर पर चर्बी होने से विवाद जारी है। इसी बीच अभी यह मामला खत्म भी नहीं हुआ है और एक महिला की तरफ से दावा किया जा रहा है कि श्री वेंकटेश्वरा मंदिर में मिले लड्डू के अंदर तंबाकू की पुड़िया मिली है। हालांकि, इसे लेकर मंदिर प्रबंधन की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। आंध्र प्रदेश के सीएम नायडू ने आरोप लगाए थे कि जगन मोहन रेड्डी की सरकार में तिरुपति मंदिर में बांटे जाने वाले लड्डुओं में जानवर की चर्बी पाई गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, खम्मम जिले की रहने वालीं दोन्थु पद्मावति ने आरोप लगाए हैं कि उन्हें प्रसाद के रूप में मिले लड्डू के अंदर कागज में तंबाकू था।

तिरुपति के बाद अब यूपी में भी हड़कंप, मथुरा में 15 दुकानों से 43 नमूने लिए, संदिग्ध पेड़े जांच के लिए भेजे

मथुरा/एजेंसी। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट का मामला सामने आने के बाद यूपी के मथुरा में भी हलचल तेज हो गई है। मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण (ठाकुर जी) पर चढ़ाए जाने वाले भोग-प्रसाद की गुणवत्ता को लेकर चिंतित सरकार के आदेश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अभियान की शुरुआत करते हुए

दीनदयाल जयंती 'एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय'

हमारी हर जन कल्याणकारी योजना का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, ''समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के लिए योजनाएं बननी चाहिए।'' बीते कुछ सालों में आपने यह शब्द कई बार अखबारों में तथा टीवी और भाषणों में सुना होगा पर कभी सोचा है कि आखिर कौन वह व्यक्ति है? जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के विचार को सामने लाया जिसे बीजेपी ने अपना मिशन बना लिया वह व्यक्ति हैं पंडित दीनदयाल उपाध्याय।

आज उनका जन्मदिन है। वे पूरे देश में एकात्म मानववाद की विचारधारा से प्रसिद्ध हुए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर 1916 को जयपुर के निकट धानक्या गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम भगवती प्रसाद उपाध्याय था, जो उत्तर प्रदेश के नगला चंद्रभान फरह, मथुरा के निवासी थे। उनकी माता का नाम रामप्यारी था। 1937 में जब वे कानपुर से बीए कर थे, अपने सहपाठी बालूजी महाशब्दे की प्रेरणा से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्पर्क में आये। उन्हें संघ के संस्थापक डॉ० हेडगेवार का सान्निध्य भी कानपुर में ही मिला। उपाध्याय जी ने पढ़ाई पूरी होने के बाद संघ का दो वर्षों का प्रशिक्षण पूर्ण किया और संघ के जीवनव्रती प्रचारक हो गये। वे आजीवन संघ के प्रचारक रहे। संघ के माध्यम से ही उपाध्याय जी राजनीति में आये। 21 अक्टूबर 1951 को डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में 'भारतीय जनसंघ' की स्थापना हुई।1952 में इसका भारतीय जनसंघ का प्रथम अधिवेशन कानपुर में हुआ। दीनदयाल उपाध्याय इस दल के महामंत्री बने। इस प्रथम अधिवेशन में पारित 15 प्रस्तावों में से सात प्रस्ताव उन्होंने प्रस्तुत किये थे। डॉ० मुखर्जी ने उनकी कार्यकुशलता और क्षमता से प्रभावित होकर एकबार कहा था कि ''यदि मुझे दो दीनदयाल मिल जाएं, तो मैं भारतीय राजनीति का नक्शा बदल दूं।''

राजनीति के अलावा उनकी साहित्य में भी उनकी गहरी रुचि थी। वर्ष 1940 में जब मुस्लिम लीग द्वारा 'पाकिस्तान प्रस्ताव' लाहौर में पारित किया गया तथा द्वितीय विश्वयुद्ध जो 1 सितंबर 1939 को जर्मनी के द्वारा पोलैंड पर आक्रमण से शुरू हुआ था। इस युद्ध में में ब्रिटेन की हालत अत्यंत कमजोर होने पर ब्रिटेन ने भारतीयों का सहयोग पाने के लिए 8 अगस्त 1940 को वायसराय लिनलिथगो ने अगस्त प्रस्ताव की घोषणा की जिसमें भारत के लिए डोमिनियन स्टेटस मुख्य लक्ष्य था। उस समय 1940 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने लखनऊ से 'राष्ट्रधर्म' नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन शुरू कर पूरे देश में राष्ट्र के कर्तव्य, राष्ट्र के लक्ष्यों के प्रति लोगों को जागरूक किया उन्होंने साप्ताहिक पांचजन्य और दैनिक स्वदेश जैसी पत्रिकाओं की भी शुरूआत की जो भारतीय संस्कृति और सभ्यता की न सिर्फ परिचारक बल्कि ध्वजवाहक भी हैं।तो वही राष्ट्र चिंतन नामक पुस्तक उनके भाषणों का संग्रह है दो योजनाएं राजनीतिक डायरी तथा एकात्म मानववाद जिसे अंग्रेजी में इंटीग्रल ह्यूमैनिज्म कहा गया उनकी कुछ प्रमुख पुस्तकें है दीनदयाल उपाध्याय को भारतीय जनसंघ का आर्थिक नीति का रचनाकार माना जाता है।पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का भारतीय संस्कृति में बहुत ज्यादा विश्वास था वह मानते थे कि भारत में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की संस्कृति एक ही है उनके शब्दों में कहे तो, "भारत में रहने वाला और इसके प्रति ममत्व की भावना रखने वाला मानव समूह एक जन हैं। उनकी जीवन प्रणाली, कला, साहित्य, दर्शन सब भारतीय संस्कृति है। इसलिए भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। इस संस्कृति में निष्ठा रहे तभी भारत एकात्म रहेगा। ह्व?।1963 में उत्तर प्रदेश के जौनपुर लोकसभा के उपचुनाव में वे खड़े हुए परंतु उसमें वे जीत नहीं पाए। दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारत के लिए एक स्वदेशी आर्थिक मॉडल विकसित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसमें एक व्यक्ति केंद्र में हो। उनके इस दृष्टिकोण ने इस अवधारणा को समाजवाद और पूंजीवाद से अलग बना दिया।

एकात्म मानववाद को 1965 में जनसंघ के आधिकारिक राजनीतिक सिद्धांत के रूप में अपनाया गया था। यहां पर एक बात गौर करने वाली है कि दीनदयाल उपाध्याय जी के बताए गए रास्ते व सिद्धांतों की चर्चा साम्यवाद और समाजवाद की तुलना में बेहद कम हुई है। जबकि उनके हर सिद्धांत में समाज के सबसे निचले, दबे कुचले व्यक्ति केंद्र में पाया जाता है। इस कारण यह आवश्यक है कि उनके विचारों को और सहज तथा सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाया जाए ताकि लोग न सिर्फ दीनदयाल जी को जाने बल्कि उनके विचारों और सिद्धांतों को भी समझे वे देश के नवनिर्माण के बजाय देश के पुनर्निर्माण पर विशेष जोर देते थे। भारतीय चिंतन परंपरा में दीनदयाल उपाध्याय जी का विशेष स्थान है क्योंकि उन्होंने पाश्चात्य दर्शन के जगह भारतीय जीवन पद्धति में समाहित एकात्म मानववाद को आधुनिक ढंग से प्रस्तुत किया कहा कि पश्चिम में कहा जाता है कि ऑनेस्टी इस द बेस्ट पॉलिसी परंतु भारतीय जीवन दर्शन यह कहता है कि ऑनेस्टी इज नॉट ए पॉलिसी बट प्रिंसिपल अर्थात अर्थात हमारे यहां सत्य निष्ठा नीति नहीं बल्कि सिद्धांत है उन्होंने राज्य का आधार धर्म माना है उनका कहना था कि सिर्फ दंड के सहारे राज्य को नहीं चलाया जा सकता राज्य को चलाने के लिए धर्म की भी आवश्यकता पड़ती है और धर्म के साथ ही उन्होंने अर्थ पर भी जोर दिया था क्योंकि बगैर अर्थ के धर्म टिक नहीं पाता है उन्होंने भारत की आर्थिक नीति पर भी किताबें लिखी है जो इस प्रकार है भारतीय अर्थ नीति : विकास की एक दिशा और भारतीय अर्थ नीति का अवमूल्यन। श्रेष्ठ नेता वही होता है जो उन सिद्धांतों का पालन खुद करें जो वह दूसरों के लिए कहता है पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी सादा जीवन व्यतीत करते थे और अपने कार्यकताओं को भी यही कहा करते थे कि दो धोती दो कुर्ते और दो वक्त का भोजन ही उनकी संपूर्ण आवश्यकता है।

वर्तमान समय में केंद्र सरकार ने उनके सम्मान में मुगलसराय जंक्शन का नाम दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन कर दिया गया।16 फरवरी 2020 को वाराणसी में, नरेंद्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल सेंटर खोला और देश में उनकी सबसे ऊंची प्रतिमा उपाध्याय की 63 फुट की प्रतिमा का अनावरण किया। उनके जन्मदिन को अंत्योदय दिवस के रूप में भी मनाया जाता है तो वही उनकी पुण्यतिथि 11 फरवरी को समर्पण दिवस के रूप में जाना जाता है। आज जब हमारे देश में किसी योजना को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और उस अंतिम व्यक्ति तक लक्षित करके योजनाएं बनाई जाती है तो मानो ऐसा लगता है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का सपना पूरा हो रहा है। आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जयंती पर हम सभी को उनके विचारों से प्रेरणा लेना चाहिए।

हिन्दी कविता के राष्ट्रीय परिदृश्य में झारखंड की उपस्थिति

अशोक सिंह

हिन्दी साहित्य में कविता एक ऐसी विधा है जिसका क्षेत्र और समाज बहुत बड़ा है। बात जहाँ तक हिन्दी कविता के राष्ट्रीय परिदृश्य में झारखण्ड की उपस्थिति की है तो यह बात पूरे विश्वास के साथ शिद्दत से कही जा सकती है कि मुख्यधारा की समकालीन हिन्दी कविता में झारखण्ड से आने वाली आवाजों को आज बहुत ही गंभीरता सुना और गुना जा रहा है। यहाँ के कवियों, साहित्यकारों ने अपनी झारखण्डी चेतना, संघर्ष और आदिवासी अस्मिता के सवालों की मुखरता की बदौलत न सिर्फ हिन्दी के पाठकों बल्कि हिन्दी के समीक्षकों, आलोचकों का भी ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया है। लगभग पिछले दो दशकों में झारखण्डी जनता के संघर्ष और आदिवासी अस्मिता का सवाल हिन्दी साहित्य में प्रमुखता से उभरकर सामने आया है। जल, जंगल, जमीन का मुद्दा हो या भय-भूख भ्रष्टाचार से लेकर विस्थापन और शोषण के विरूद्ध सामूहिक प्रतिरोध की अभिव्यक्ति का स्वर, झारखण्ड के कवियों की समकालीन हिन्दी कविताओं में प्रमुखता से प्रतिध्वनित होता है। बहुत पहले प्रतिरोध का यह आदिवासी-स्वर सिर्फ जनजातीय लेखकों द्वारा जनजातीय साहित्य तक सीमित था लेकिन लगभग पिछले एक दशक से जनजातीय लेखकों ही नहीं बल्कि गैर-जनजातीय कवि लेखकों ने भी मिलकर सामूहिक रूप से आदिवासी चेतना व संघर्ष को न सिर्फ आवाज देने का काम किया है, बल्कि मुख्यधारा के हिन्दी साहित्य में प्रमुखता से सामने लाया है। यहाँ तक कि दलित एवं आदिवासियों के सवाल और मसलों को एक साथ, एक मंच पर रखने व देखने-दिखाने के विरूद्ध, दलित विमर्श की तरह आदिवासी विमर्श को भी, इस कदर केन्द्र में लाकर खड़ा किया, जहाँ से दलित आदिवासी साहित्य को एक साथ नहीं बल्कि अलग-अलग नजरिये से देखने-दिखाने की जनवकालत शुरू हो गयी। जो आगे चलकर धीरे-धीरे बहुत हद तक स्वीकार्य भी हुई और आज दोनों साहित्य को अलग-अलग तरीके से देखने समझने की कोशिश की भी जा रही है।

अब जहाँ तक मुझे लगता है कि हिन्दी कविता में झारखण्ड की उपस्थिति को देखने समझने से पहले हमें हिन्दी कविता, विशेषकर समकालीन हिन्दी कविता के परिदृश्य को समग्रता से देखना समझना होगा। आम तौर पर देखा जाता है कि हमारे आस-पास और मूल्यों की दुनिया में जो कुछ भी घटित होता है, उसका सीधा प्रभाव, उस समय की रचनाओं पर पड़ता है। प्रायः हर रचना अपने समय और समाज का प्रतिनिधित्व करती है एवं अपने समय की समझ से पैदा होती है। और उसको रचने वाला रचनाकार अपने समय और समाज का प्रतिनिधि प्रवक्ता होता है। इसलिए आज वैश्वीकरण के इस दौर में लिखी जा रही समकालीन हिन्दी कविताओं में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से वैश्विक संवेदना का प्रभाव दिखायी देता है।

लेकिन सवाल यह भी है कि हमारे समय की कविता इस वैश्विक संवेदना के साथ हिन्दी समाज और उस क्षेत्र की लोक संवेदना से किस हद तक जुड़ी है? तो मुझे लगता है कि आज की समकालीन कविता निश्चित तौर पर जहाँ हिन्दी समाज की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक गतिविधियाँ को प्रतिबिंबित कर रही है, वहाँ कमोवेश उसमें उस क्षेत्र की लोक संवेदना का स्वर भी सुनाई पड़ता है।

लोक जिसका केन्द्रीय लक्षण सामूदायिकता है, देखा जाय तो समूचे साहित्य और कला-माध्यमों का इससे गहरा रिश्ता रहा है। इतना ही नहीं राजनीति, समाजनीति और अन्य शास्त्र तथा उसकी शाखाएँ, उप-शाखाएँ भी लोक को महत्व देती हैं। लोकतंत्र, लोकहित, लोक कल्याण जैसे शब्द अभी भी हमारे साथ हैं। इस लोक को साथ लिये बिना, हमारी विकास यात्रा भी उलझ जाती है। जाहिर है कि लोक का महत्व असंदिग्ध है। जब कविता या अन्य कला-रूप 'लोक' से अलग जाने की कोशिश करते हैं, तो निश्चय ही वे स्वयं प्रभाहीन हो जाते हैं। रीतिकाल की कविता और प्रयोगवाद से लेकर नई कविता की एक विषिष्ट धारा व्यक्तिवाद, लघुमानववाद, क्षणवाद और कल्चरल फ्रीडम की सुरंग में समा जाती है। 'लोक की कविता' के बरक्स 'कविता का लोक' बन जाती है, तो उसमें एक खास तरह का ठंडापन तो आता ही है, वह अपनी विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा देती है।

बारीकी से देखें परखें तो 1990 के बाद की समकालीन हिन्दी कविताओं में एक खास लक्षण दिखाई पड़ता है कि वह भद्रलोक और नारेबाजी से बाहर आयी है। इस दौर की कविताओं का स्वर घर परिवार से जुड़कर बनता है। इसमें चीख-चिल्लाहट, छीना-झपटी जैसी स्थितियाँ लगभग थिराने लगती हैं, और कविता लोक के विभिन्न उपादानों को अपने भीतर सहेजने लगती है। वह अपने आसपास को, अपने लोक को, अपने स्थानिक संसार को, ज्यादा विश्वसनीयता और गरिमा के साथ उठाती है। इस दौर की कविताओं में हड़बड़ी नहीं है। लहजा शांत है और लोक भाषाओं और बोलियों की तरफ उनका ध्यान विशेष रुप से जाता है।

देखा जाए तो इस दौर की कविता में कोई बड़बोलापन नहीं है, और न ही कोई दावा, न कोई मुनादी ! चिन्ता है तो सिर्फ इस बात की कि पृथ्वी को नष्ट होने से कैसे बचाया जाय। मानवीय रिश्तों को कैसे सही-सही हासिल किया जाय। अपनी दुनिया को, अपने परिवेश को कैसे हासिल किया जाय। साफ है कि कविता में भद्रता नहीं है, बल्कि जो अपना है, उसे अर्थवान बनाये जाने की बेचैनी है। अपनी जड़ों की ओर लौटने की प्रतिज्ञाएँ हैं। अपनी भाषा और बोलियों में शरीक होने का उतावलापन है।

आज अपनी बोलियों में शरीक होने की बेचैनी से लगता है कि कहीं न कहीं वह भाषा में असहजता महसूस कर रही है। मेरा अनुभव रहा है कि भाषा में हमारी अभिव्यक्ति पूरी तरह नहीं खुलती, लेकिन बोली वाणी में हमारी अभिव्यक्ति ज्यादा सघन, ज्यादा तरल और प्राकृतिक होती है। जहाँ एक ओर भाषा में कृत्रिमता महसूस होती है, वहीं बोली-वाणी में सरलता और सहजता महसूस होती है। यहाँ यह भी गौरतलब है कि बोलियों का क्षेत्र भी सीमित या रूढ़ नहीं होता। एक बोली में उसके आसपास की कई बोलियाँ भी आ जाती हैं। भाषा अथवा बोली, समय की परिस्थिति एवं जमाने के बदलावों के साथ अपना रूपांतरण करती है। जैसाकि इन दिनों संचार माध्यमों का हमारी भाषा और बोलियों पर प्रभाव देखा जा सकता है। भाषा और बोलियों में आधुनिकीकरण की यह प्रक्रिया लगातार समृद्ध एवं जनोन्मुखी होती है। इसकी समृद्धि इससे भी है कि उसमें लोक संस्कृति के तमाम उपादानों की आवाजाही होती रहती है। लोकगीतों की सहजता और सम्प्रेषणीयता में आज यह सब कुछ शिद्दत से देखा-परखा जा सकता है।

ऐसे में देखा जाए तो यह सच है कि आज बाजारवाद के इस दौर में रची जा रही कविताएँ वैश्विक संवेदना के ज्यादा निकट हैं। पर सच यह भी है कि वह हिन्दी समाज और उस क्षेत्र की लोक संवेदना से पूरी तरह कट नहीं गयी है, उसमें लोक तत्व की उपस्थिति बनी हुई है। वैसे भी हिन्दी क्षेत्रों और वहाँ की कविताओं में लोक को अभिव्यक्त करने की लम्बी परंपरा रही है। यही वजह है कि आज भी वह अपने लोक को न केवल सहजता के रुप में बल्कि अपनी तमाम जटिलताओं के साथ शिद्दत से दर्ज कर रही है। जिसकी छवियाँ इस दौर की समकालीन कविताओं में देखी जा सकती हैं। मेरा विश्वास है कि आगे आने वाले दशकों में लोक की पहचान और व्यापक होगी और उसके नये-नये आयाम भी हमारे सामने आयेंगे।

अब जहाँ तक बात कविता के सामाजिक विस्थापन का है तो मुझे लगता है कि कविता समाज से पूरी तरह विस्थापित नहीं हुई है और न कभी होगी। हाँ, इधर की कविताओं में एक नयी चीज नजर आ रही है कि वह अपने तमाम बदलावों के बावजूद पाठकों के पास नहीं पहुँच पा रही है। आखिर क्या वजह है कि कविता जो मनुष्य के प्रारंभिक दौर से उसके साथ रही है, आज उसके पाठक निरंतर कम होते जा रहे हैं? जिसको लेकर कविता के सामाजिक विस्थापन का सवाल अक्सर उठाया जाता रहा है। वैसे इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन जहाँ तक मेरी सामान्य समझ बनती है कि लोक के सामूहिक और सार्वजनिक आचरण की परिधि धीरे-धीरे सिकुड़ती जा रही है। इतना ही नहीं नैतिक व अनुशासित जीवन की आकांक्षा घट रही है और संबंधों पर लोगों की आस्थाएँ कम हुई हैं और उसके स्थान पर अलगाववाद और अजनबीपन बढ़ा है। कवियों के स्वाभाव में परिवर्तन हुए हैं। वे जनता से आज उतने संबद्ध नहीं हैं, जितने होना चाहिए। जिसकी वजह से उनके द्वारा रची जा रही कविताएँ भी पाठकों की रूचि के अनुरूप खरा नहीं उतर पा रही हैं। दूसरी बात भाषिक संरचना और अभिव्यक्ति में तेजी से बदलाव आया है, जो विकास की प्रक्रिया की दृष्टि से अच्छी बात तो है, पर कहीं-कहीं यह बदलाव इतना ज्यादा और जटिल है कि चीजें आपस में उलझ जाती हैं। जिससे पाठकों के सामने सम्प्रेषणीय का संकट खड़ा हो जाता है। इतना ही नहीं इस दौर की कविता की भाषिक संरचना भी एक-स्तरीय हो गयी है, जिसकी वजह से अधिकांश कविताएँ एकरस लगती हैं। सौंदर्यबोध शब्द तो इधर, कविता की चर्चा से वर्जित सा हो गया है। कविता, भाषा के प्रति जिम्मेदारी की बजाय तथाकथित सभ्य समाज के प्रति जिम्मेदारी के वश में लिखी जा रही है।

खैर जो भी हो, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि जहाँ एक ओर कुछ हद तक कविता का कुछ अपनी बनावट व बुनावट और कुछ बाजार के बढ़ते दबाव की वजह से सामाजिक विस्थापन हुआ है, वहीं दूसरी ओर आज की हिन्दी कविता पहले की अपेक्षा अधिकाधिक विविधतापूर्ण और समृद्ध भी हुई है। यहाँ तक कि वह पहले की तुलना में ज्यादा जनतांत्रिक भी हुई है। उसमें सामान्य मनुष्य की उपस्थिति बढ़ी है। कवि भी पहले की तुलना में ज्यादा बहिर्मुखी हुए हैं। लेकिन यह भी एक बड़ी सच्चाई है कि फार्म के स्तर पर या भाषा के स्तर पर प्रयोगधर्मिता अभी भी अपेक्षाकृत बहुत कम दिखाई पड़ती है।

ऐसी स्थिति में कविता के सामाजिक पुनर्जीवन को लेकर मुझे लगता है कि इसके लिए हमें कविता की लम्बी परम्परा से जुड़ना होगा और उस परम्परा में डूबते-उतरते हुए नये फार्म की तलाश करनी होगी। बड़बोलापन और नारेबाजी से अलग हटकर कविता में लोक तत्वों की आवाजाही को बढ़ाना होगा। सहजता, सरलता व तरलता के साथ-साथ उसकी पहचान को और अधिक व्यापक व सघन करना होगा। उसके नये-नये आयाम को सामने लाना होगा, ताकि पाठकों के साथ कविता का अपनापन बढ़ सके। चमत्कृत कर देने वाली भाषा शैली और पाठकों के बीच अपनी बौद्धिकता व विद्वता स्थापित करने की मंशा छोड़नी होगी। सस्ती लोकप्रियता के पीछे भागते हुए मात्रा बढ़ाने के नाम पर प्रायोजित तौर पर कविता लिखने के प्रयास से बचना होगा। भाषिक संरचना और अभिव्यक्ति के पैटर्न में सावधानियाँ बरतनी होगी। उसकी जटिलताओं से निकलकर सहज होना होगा। भाषा की जगह बोलियों की ओर लौटना होगा। अब जहाँ तक सवाल, हिन्दी कविता के समाज में झारखण्ड की उपस्थिति का है, तो सामान्य तौर पर इसे दो तरीके से देखा-परखा जा सकता है। एक तो मुख्यधारा की समकालीन हिन्दी कविताओं में झारखण्ड के कवियों कवयित्रियों की रचनात्मक भागीदारी और दूसरा उनकी कविताओं में लोकधर्मिता व जनपक्षधरता के साथ-साथ झारखण्डी चेतना व संघर्ष तथा आदिवासी अस्मिता से जुड़े सवालों और मुद्दों की अभिव्यक्ति। साथ ही साथ यहाँ की लोक संस्कृति व संवेदनाओं से लेकर सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विडम्बनाओं की पकड़ और समझ। वह भी आदिवासी-दृष्टि से, आदिवासीयता को झारखण्ड के परिप्रेक्षय में समग्रता से देखते-समझते हुए। इस दृष्टिकोण से हिन्दी कविता में झारखण्ड की उपस्थिति को देखा-परखा जाय, तो एक साथ कई बातें उभरकर सामने आती हैं। एक तो यह कि झारखण्ड के जनजातीय कवि लेखकों द्वारा रची जा रही हिन्दी कविताएँ और दूसरा झारखण्ड के गैर-जनजातीय कवि-लेखकों द्वारा लिखी जा रही हिन्दी कविताएँ। और एक तीसरी और महत्वपूर्ण बात, झारखण्ड के बाहर हिन्दी कवियों द्वारा रची जा रही झारखण्डी पृष्ठभूमि या आदिवासी विषयक कविताएँ। भिन्न-भिन्न धाराओं से आने वाली, इन सभी तरह की विविधतापूर्ण कविताओं को झारखण्ड के वर्तमान परिदृष्य में देखने-समझने की कोशिश करता हूँ, तो मुझे लगता है कि प्रतिरोध और हस्तक्षेप की आवाज इन कविताओं का मूल स्वर है। इतना ही नहीं, जीवन के सरोकारों से जुड़ी, इस तरह की कविता के, एक बड़े हिस्से का पक्ष और विचारधारा भी स्पष्ट है। वह सामाजिक न्याय के प्रश्न के प्रति चौकन्नी है और आधुनिक राज्य तथा आधुनिक सभ्यता की मनुष्य विरोधी गतिविधियों के प्रति प्रर्याप्त सचेत भी। अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को लिखने के मामले में झारखण्ड के कवियों ने कविता की स्वाय×ाता और सौंदर्य की ऐसी किसी धारणा को दो टूक शब्दों में अस्वीकार किया है, जो धारणा झारखण्डी चेतना, संघर्ष और आदिवासीयत के साथ-साथ वहाँ की सामाजिक यथास्थितिवाद से मुठभेड के रास्ते में रोड़े अटकाती है। जो शक्तियाँ सामाजिक जीवन का दोहन करती हैं, उसको अपनी उपस्थिति और हस्तक्षेप से प्रभावित करती हैं, उसके विरुद्ध हमारे समय की कविता अपनी संवेदना और भाषा की शक्ति से लड़ रही है।

इस प्रकार कुल मिलाकर मेरी समझ में इस समय झारखण्ड की हिन्दी कविताओं में सर्वाधिक अर्थपूर्ण है- जनता की पक्षधरता, आम आदमी को कुचलने वाली व्यवस्था की कटु आलोचना और नई व्यवस्था के लिए संघर्ष का समर्थन। अब जहाँ तक बात इस धारा में शामिल झारखण्ड के प्रतिनिधि कवि कवयित्रियों की करें, तो जहाँ एक ओर, झारखण्ड की संभवतः पहली कवयित्री सुशीला देवी सामंत से लेकर स्वं. डॉ रामदयाल मुंडा तक। और स्वं. रामदयाल मुंडा से लेकर बीपी केशरी, डॉ रोज केरकेट्टा तक ओर डॉ रोज केरकेट्टा से लेकर ग्रेस कुजूर, वंदना टेटे, सरिता बड़ाइक, ज्योति लड़का, महादेव टोप्पो, निर्मला पुतुल, अनुज लुगून और जसिंता केरकेट्टा तक कई वरिष्ठ और युवा कवियों की एक लम्बी श्रृंखला बनती है। वहीं दूसरी और स्व. बालेन्दू शेखर तिवारी, और शैलप्रियाभारत यायावर, से लेकर रमणिका गुप्ता तकऔर विद्याभूषण, शंभू बादल, अशोक प्रियदर्शी से लेकर ऋ्षा शुक्ला, नीरा परमार, मंजुश्री, माया प्रसाद, मंजु ज्योत्सना, यशोधरा राठौर और अनिता वर्मा तक और अनिता वर्मा से लेकर रणेन्द्र, विनय सौरभ, राहुल राजेश, शिरोमणि महतो, नरेश अग्रवाल, चंद्रकान्त, महेश केशरी, राज विद्रोही, सुशील कुमार, अमरेन्द्र सुमन, नीरज नीर, रागिणी भूषण, सारिका भूषण, कलावंती सिंह सुमन, वीणा श्रीवास्तव, भारती सिंह, नन्दा पाण्डेय, सत्या शर्मा कीर्ति, संगीता कुजारा टाक और रश्मि शर्मा तक समकालीन कवि-कवयित्रियों की एक ऐसी लम्बी सूची दिखाई पड़ती है, जो अपनी सक्रीय रचनात्मक प्रतिभा और सामाजिक प्रतिबद्धता से न सिर्फ मुख्यधारा की समकालीन हिन्दी कविता में झारखण्ड का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं बल्कि हिन्दी साहित्य, विशेषकर मुख्यधारा की समकालीन हिन्दी कविता में एक सकारात्मक व साथर्क हस्तक्षेप भी करते दिखाई देते हैं। इस कड़ी में कुछ-एक महत्वपूर्ण बातें और जोड़ना चाहता हूँ। एक तो यह कि यहाँ के रचनात्मक परिदृश्य में आज वैसे कवियों की भी कमी नहीं है, जिनका आदिवासी जीवन और उनके भाषा-साहित्य संस्कृति से, उनके संघर्षो से, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से दूर-दूर तक न तो कोई संबद्ध रहा है, न ही कोई सामाजिक सरोकार, बाबजूद ऐसे कवि एक दूसरे का देखा-देखी आदिवासी विषयक कविताएँ लिखने का प्रयास करते रहे हैं, जो हाल के कुछ वर्षो में एक प्रकार का ट्रेंड सा चल पड़ा है। इक्के-दुके आदिवासी पात्रों के नाम और दो चार आदिवासी विषयक शब्दों और वाक्यों को जोड़ककर खुद को आदिवासियों के पैराकारी कवि होने का भ्रम पाल लेते हैं, जबकि उनकी ऐसी कविताओं में आदिवासीयत का घोर अभाव होता है और वे कविताएँ स्तरीयता प्राप्त करने की जगह सतहीपन का शिकार हो जाती हैं। ऐसे नकली कवियों की नकली और सतही कविताओं से असली कविताओं को बड़ा नुकसान पहुँचता है। हलांकि ऐसी कविताएँ मुख्यधारा की हिन्दी कविता में शामिल होने की बजाय एक समय हाशिए पर पड़ी-पड़ी स्वयं दम तोड़ देती हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि हिन्दी कवियों की सूची में झारखण्ड के कई लेखक-कवि ऐसे भी हैं, प्रारंभ में जिनकी कविताएँ अनुवाद के माध्यम से समकालीन हिन्दी कविता में सामने आयी और चर्चित होकर एक बड़े पाठक वर्ग का ध्यान आकृष्ट करने मे सफल रही। फिर ऐसा भी हुआ कि बाद के कुछ वर्षो में वह हिन्दी में ऐसे घुल मिल गयी कि वह पूरी तरह हिन्दी कविता बनकर स्थापित हो गयी। जिसमें अनुवाद और अनुवादक बहुत पीछे छुट गया। इतना पीछे कि ढूँढ़ने से भी कहीं उनके पाँव के निशान कहीं नहीं मिलेंगे। ऐसे में हिन्दी कविता और जनजातीय भाषा साहित्य तथा अन्य भाषा साहित्य से अनुदित होकर हिन्दी में आनेवाली कविता को अलग कर वर्गीकृत रुप में देखना-परखना आज कठिन सा हो गया है। ऐसे में कई समीक्षक और आलोचक भी जाने-अनजाने विभिन्न भाषाओं से हिन्दी में अनुदित होकर आने वाली कविताओं को, हिन्दी कविता और उसके कवियों को, हिन्दी कवि मानने की भूलकर बैठते हैं। मुझे लगता है कि इस ओर भी समीक्षकों व आलोचकों का ध्यान जाना चाहिए और उस पर भी गंभीर चर्चा की जानी चाहिए। कुल मिलाकर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि झारखण्ड की काव्य परंपरा न सिर्फ अपनी एक लम्बी यात्रा तय कर चुकी है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर मुख्यधारा की समकालीन हिन्दी कविता को समृद्ध भी करती रही है। पिछले एक दशक में अपनी झारखण्डी चेतना, संघर्ष और आदिवासी स्मिता के सवालों को लेकर वह इतनी मुखर और प्रखर हुई है कि हिन्दी साहित्य के एक बड़े पाठक वर्ग का ध्यान इधर आकृष्ट हुआ है। इतना ही नहीं हिन्दी कविता के समाज में झारखण्ड की इस उपस्थिति को देखकर विशेषकर यहाँ की आदिवासी विषयक कविताओं को लेकर, उससे जुड़े कवियों की लोकधर्मिता व जनपक्षधरता को देखकर, हिन्दी साहित्य के आलोचक और समीक्षक भी अब कुछ बोलने लगे हैं और दलित व स्त्री साहित्य पर चल रहे विमर्श से आगे बढ़कर, आदिवासी साहित्य विमर्श की वकालत कर रहे हैं. जो झारखण्ड की कविता का मूल स्वर है। यह झारखण्ड के कवि-साहित्यकारों की सक्रीय रचनात्मकता और उनकी लेखकीय प्रतिभा व प्रतिबद्धता का एक बड़ा प्रमाण है। आवश्यकता है झारखण्ड से आने वाली कविताओं को अब मुख्यधारा की आलोचना में शामिल कर इस विमर्श को आगे बढ़ाने और उसे उँचाई प्रदान करने की। और यह तभी संभव है, जब उन कविताओं में गहराई हो और समीक्षकों व आलोचकों का ध्यान आकृष्ट करने का सामर्थ्य भी। आशा की जानी चाहिए कि आने वाले वर्षो में, हिन्दी कविता के समाज में झारखण्ड की यह उपस्थिति और अधिक व्यापक व सघन होगी और उसकी अनुगूँज देर तलक ही नहीं बल्कि दूर तलक भी सुनाई देगी।

संपर्कः जनमत शोध संस्थान, पुराना दुमका केवटपाड़ा, दुमका 814101 (झारखंड) मो. 9110072128

सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

आर.के. सिन्हा

भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े हुए सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकि; सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देश भर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करौली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोज चार- पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं। भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं। आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्कि; युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा। दरअसल मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व होता है। यहां पर जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है मार्गदर्शन के लिए। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे जो इस पेशे में आ रहे हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिल-जुलकर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना एक जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं

इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं। क्या किसी को बताने की जरूरत है कि अब भी देश के ग्रामीण भागों में अनुभवी डॉक्टरों की भारी कमी है? ग्रामीण भारत की जनता बीमार होने पर बड़े शहरों के अस्पतालों में पहुंचती है। हर रोज राजधानी दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, गंगा राम अस्पताल वगैरह में हजारों ग्रामीण दूर-दराज के राज्यों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। अगर उनके गांवों के पास पर्याप्त डॉक्टर और श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हों तो वे क्यों सैकड़ों मील चलकर दूर आयेंगे? सरकारी डॉक्टरों की उम्र बढ़ाने से गांवों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक पूर किया जा सकता है। ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस समस्या का एक हल यह भी है कि रिटायरमेंट की आयु बढ़ने से वहां पर तैनात डॉक्टरों को सेवा करने का मौका मिलता रहेगा। डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि देश के ग्रामीण भागों में सर्जनों, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों, फिजीशियनों और बाल रोग विशेषज्ञों की मांग को भी पूरा करने की जरूरत है। डॉक्टरों का सेवा विस्तार करने से गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है। वरिष्ठ डॉक्टर अक्सर हेल्थ सेक्टर मैनेजमेंट और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सेवा विस्तार करने से उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीतियों को आकार देने और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा। जैसा कि ऊपर कहा गया कि जब भारत में डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की, तो हिन्दुस्तानियों की औसत उम्र काफी कम थी। 1950 और 1960 के दशक में, जब औसत उम्र कम थी, तो 55 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु उचित मानी जाती थी। 1970 के दशक में बढ़कर 58 वर्ष हुई, और फिर 1990 के दशक में 60 वर्ष हुआ। 2017 में केंद्र सरकार के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई थी, ताकि अनुभवी चिकित्सा पेशेवरों को अधिक समय तक बनाए रखा जा सके। अब वक्त का तकाजा है कि केन्द्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों से जुड़े डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ाया जाए। अमेरिका और यूरोप के देशों में शोध कार्यो से जुड़े डॉक्टर जीवन भर सेवा में रहते हैं। जब यह व्यवस्था अन्य देशों में हो सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं। भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस लिहाज से सरकार जल्दी कोई फैसला लेगी।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संक्षिप्त समाचार

मेट्रो कर्मचारियों के लिए स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अन्तर्गत निःशुल्क स्वच्छता मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर 24 सितम्बर। जयपुर मेट्रो में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक आयोजित स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अन्तर्गत स्वच्छता मित्र सुरक्षा शिविर में ''जयपुर मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड'' एवं इंटर्नल हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान-में मानसरोवर मेट्रो डिपो ऑडिटोरियम में निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा परामर्श एवं सामान्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान चिकित्सा दल ने मेट्रो कर्मचारियों, मेट्रो स्टॉफ एवं स्वच्छता मित्रों की ह्रदय रोग संबंधी बीमारियो जैसे रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), शुगर (डायबिटीज), थाईराइड, कोलेस्ट्राल आदि की जाँच की और परामर्श भी दिया।

जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया ने स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अवसर पर संदेश दिया कि मौसम के बदलाव में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहे तथा दैनिक दिनचर्या में खान-पान के साथ-साथ नियमित व्यायाम करने की भी सलाह दी। मेट्रो कर्मचारियों एवं मेट्रो स्टॉफ के भरपूर उत्साह एवं सहयोग से इस शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन सम्पन्न हुआ।

बाबूलाल पीरी बने भीम आर्मी भारत एकता मिशन के नदबई तहसील ग्रामीण अध्यक्ष

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर एवं मान्यवर कांशीराम साहब की विचारधारा

'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' की मिशन को आगे बढ़ाते हुए भीम आर्मी एकता मिशन भरतपुर जिला अध्यक्ष बच्चू सिंह ने बाबूलाल पीरी को नदबई तहसील का ग्रामीण अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस मौके पर बाबूलाल ने पद की गरिमा बनाए रखने के लिए पूर्ण कर्तव्य निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ मिशन को आगे बढ़ाने की जिमेदारी संभाली है।नवनियुक्त नदबई ग्रामीण अध्यक्ष बाबूलाल ने भीम आर्मी एकता मिशन संस्थापक एड. चंद्रशेखर आजाद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रत्न और राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र हटवाल सहित प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व का तहे दिल से आभार जताया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ गलत टिप्पणी को लेकर सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। भुसावर (राजवीर सिंह)। कांग्रेस पार्टी के निर्देसानुसार कांग्रेस पार्टी के लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी को आतंकवादी कहने वाले भाजपा के रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने गलत टिप्पणी को लेकर भुसावर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने उपखण्ड कार्यालय के समक्ष एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर कुंवर किशन सिंह जिला परिषद सदस्य, धारा सिंह मीना, अमित कुमार घाटरी, मोहित पहाड़िया, विशू मीणा, सुरेंद्र सिंह, छैल सिंह गुर्जर सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

राजीविका के तहत कृषि सखी का चार दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। राजीविका के द्वारा स्वयं सहायता समूहों की महिला कृषकों को जैविक खेती पर आधारित चार दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिसका संचालन राजीविका जिला प्रबंधक पल्लवी यादव एल.एच.ने किया जिसमें मुख्य वक्ता अजय शर्मा जी (एस.आर. पी, राजीविका) ने प्रशिक्षण के दौरान बताया - रसायन का उपयोग नहीं करें इसके लिए कृषकों को सही मार्गदर्शन के साथ आगे आने की जरूरत है। रसायन खादों से जीव जंतु पर कुप्रभाव पड़ता है, उसे सुधारने के लिए जैविक खेती की जरूरत है।उन्होंने बताया कि गोबर और गौ मूत्र का उपयोग कर खेती के लिए उपयोगी जीवा मृत, घन जीवामृत और निमास्त्र बनाकर खेती के लिए उपयोग कर सकते हैं। इसी के साथ बीजोपचार ,जैविक खाद , व मृदा परीक्षण एवं उत्तम बीज आदि की जानकारी दी जिससे किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। प्रशिक्षण को आगे बढ़ाते हुए ऐ.के.सागर जी (ए.आर.पी, राजीविका) ने खेती की उर्वरा शक्ति बढ़ाये रखने के लिए किचन गार्डन, मशरूम, लेमन ग्रास एवं दलहन खेती (जैविक) पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जैविक खेती के लिए पशुपालन के साथ-साथ वर्मी कम्पोस्ट यूनिट लगाकर खेती को बंजर होने से बचाया जा सकता है। इससे अनेक बीमारी से लोगों को बचाने का तरीका बताया। उन्होंने बताया कि यदि एक गांव में एक वर्मी कम्पोस्ट यूनिट सही तरीके से चले, तो गांव को रासायनिक खाद पर कम निर्भर होना पड़ेगा और फसल भी अच्छी होगी। इस तरह कृषि क्षेत्र में रोजगार के अपार सम्भावनाएं हैं तथा तारेश जी और रजत जी (एल.आर.पी, राजीविका) ने एजोला घास के लाभ व समयानुसार टीकाकरण एवं पशुओं में होने वाली मौसमी बीमारी इत्यादि के साथ उत्तम पशुपालन की जानकारी प्रदान की इस प्रशिक्षण मे रूपवास, बयाना, नदवाई ब्लॉक की विभान्न समूहों की महिलाओं ने भाग लिया।

होटल मालिक तथा कर्मचारियों के साथ गंभीर मारपीट तथा होटल में तोड़फोड़ व लूटपाट करने के मामले में नागौर पुलिस की प्रभावी कार्रवाई

दो आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कैंपर व पिकअप गाड़ी की जब्त, वृत कार्यालय मुंडवा व थाना कुचेरा पुलिस की कार्रवाई

चमकता राजस्थान

जयपुर/नागौर,!(खलील कुरैशी) 24 सितंबर। शराब के नशे में होटल मे खाना खाने के बाद कर्मचारियों द्वारा पैसे की मांग करने पर होटल मालिक व कर्मचारियों के साथ गंभीर मारपीट करने तथा होटल में तोड़फोड़ व लूटपाट करने के मामले में नागौर पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों विकास पुत्र परसराम जाट (24) निवासी ग्वालु थाना कुचेरा एवं परमेश पुत्र ओमप्रकाश जाट (28) निवासी गारासनी थाना आसोप जिला जोधपुर को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक पिकअप एवं कैंपर गाड़ी जब्त की है।एसपी नारायण टोगस ने बताया कि 22 अगस्त को गोटन निवासी रमेश ढोली द्वारा रिपोर्ट दी गई कि रात 10:00 बजे उसकी होटल पर पिकअप व कैम्पर में आये विकास, सुमेर व महेंद्र निवासी ग्वालु, रामेश्वर निवासी बलाया, महेंद्र निवासी बारनी खुर्द, परमेश्वर निवासी गारासनी, सुंदर सियाग निवासी नोखा मंडी व 5-7 अन्य व्यक्तियों ने खाना खाया। खाने के पैसे मांगने पर बदमाशों ने धारदार हथियारों से मेरे व कर्मचारियों के साथ मारपीट की। जिसमें मेरे अंदरुनी चोटे आई व कर्मचारी नारायण के हाथ व पैर में गंभीर फैक्चर हो गया। बदमाशों ने अन्य कर्मचारी से भी मारपीट कर जाति सूचक गाली देकर होटल में तोड़फोड़ कर सीसीटीवी कैमरा, डीवीआर,

एलइडी टीवी तथा गल्ले में रखे 56 हजार 300 रुपये व कीमती दस्तावेज लूट ले गए। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान सीओ मुंडवा गोपाल सिंह ढाका द्वारा प्रारंभ किया गया।मामले में एसएचओ कुचेरा मुकेश कुमार व उनकी टीम हेड कांस्टेबल हरमेन्द्र, कांस्टेबल सहीराम व ओमप्रकाश तथा वृत कार्यालय के एएसआई महावीर सिंह द्वारा प्रभावी कार्रवाई कर आरोपी विकास जाट व परमेश जाट को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रतापगढ़ जिले में छोटी सादड़ी पुलिस ने गौतस्करों से 36 गोवंश कराए मुक्त

- गोवंश तस्करी में प्रयुक्त ट्रक जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार, एक गौवंश मृत मिला

चमकता राजस्थान। जयपुर/प्रतापगढ़,! (खलील कुरैशी) 24 सितम्बर। प्रतापगढ़ जिले की छोटी सादड़ी थाना पुलिस ने सोमवार को नाकाबंदी में गोवंश की तस्करी कर रहे एक तस्कर बबलू मुल्तानी पुत्र शंभू कालिया (28) निवासी मुल्तानपुरा थाना वायडी नगर मध्यप्रदेश को गिरफ्तार कर ट्रक से 36 गोवंश मुक्त कराये, जिनमें से एक मृत अवस्था में मिला।कार्यवाहक एसपी बनवारी लाल मीणा ने बताया कि वांछित अभियुक्तों की धर पकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को सीओ गोपाल लाल हिंडोनिया के सुपरविजन में छोटी सादड़ी एसएचओ अनिल देव मय टीम द्वारा नीमच रोड पुलिया के नीचे नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान एक तेज गति से आए हुए ट्रक को रोकने का इशारा करने पर ट्रक चालक ट्रक को तेज गति से भगा ले गया पुलिस टीम द्वारा ट्रक का पीछा करने पर ट्रक रोक चालक साइड से एक तथा खलासी साइड से दो व्यक्ति उतरकर भागने लगे। पीछा कर पुलिस ने बबलू मुल्तानी को पकड़ लिया। जिसने पूछताछ में भागने वाले चालक का नाम मुबारिक उर्फ पेट्रेल एवं दूसरे का नाम अरपु जंगु धुरवडिया निवासी मुल्तानपुरा होना बताया। आयशर ट्रक की तलाशी में कुल 35 बैल जिंदा व एक बैल मृत मिला।गोवंश को जमलावदा गौशाला के संचालक को सुपुर्द किया गया तथा ट्रक को जब्त कर अभियुक्त बबलू मुल्तानी को गिरफ्तार कर राजस्थान गोवंश अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार तस्कर से गोवंश की खरीद फरोख्त और साथियों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है।

आंगनवाड़ी केन्द्र पर गोद भराई आयोजित

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर श्रीनगर परियोजना के बबायचा सेक्टर के आंगनबाड़ी केंद्र बबायचा प्रथम पर सप्तम पोषण माह के अंतर्गत पोषण मेले और गोद भराई कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें महिला पर्यवेक्षक चंद्रमणि योगी ने गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधित ध्यान रखने योग्य बातें बताइ। मोटे अनाज,हरी सब्जियां व फलों की रंगोली कार्यकर्ता नोसर देवी हेमा देवी, सीता देवी, सविता द्वारा बनाई गई तथा अन्य मौजूद कार्यकर्ता द्वारा व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक आशीष शर्मा, कृषि पर्यवेक्षक विक्रम, महिला पर्यवेक्षक चंद्रमणि योगी तथा बबायचा पंचायत की कार्यकर्ता नरवर, अरडका, चचियावास, रामनेर ढाणी आदि की कार्यकर्ता मौजूद थी। कार्यक्रम के दौरान तीन महिलाओं की गोद भराई और तीन बच्चों का अन्नप्राशन करवाया गया।

सार्वजनिक निर्माण विभाग में मुख्य अभियंता की पोस्टिग की सुलझी गुत्थी, आज कल में जारी हो सकती है सूची

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग में लंबे समय से अटकी पड़ी मुख्य अभियंताओं की सूची जल्द जारी हो सकती है ,मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री स्तर पर हुई चर्चा के बाद अब सूची कभी भी जारी की जा सकती है, विभाग में डीपीसी हुए लगभग तीन माह बीत चुके हैं इसमें अतिरिक्त मुख्य अभियंता से मुख्य अभियंता बने सुनील गुप्ता,मनोहर अली ,हरकेश मीना ,विजय कुमार वर्मा को अब तक मुख्य अभियंता के पदों पर पोस्टिग नहीं दी गई है जबकि विजय कुमार वर्मा को एक दिन के लिए नियुक्ति दी गई थी उसके अगले ही दिन वे सेवानिवृत्त हो गए। अन्य पदों पर भी डीपीसी के बाद अभियंताओं को अपनी नई पोस्टिग का इंतज़ार है।

भाजपा कार्यकर्ता 25 सितंबर को सुबह 8 से रात 8 बजे तक विशेष अभियान चलाकर आमजन को बनाएंगे भाजपा के सदस्यः डॉ अरूण चतुर्वेदी

चमकता राजस्थान

जयपुर, 24 सितंबर 2024। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जंयती को सदस्यता अभियान के ''महा सदस्यता दिवस'' के रूप में मनाया जाएगा। महा सदस्यता दिवस पर भाजपा के बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर के करीबन 2 लाख 50 हजार भाजपा कार्यकर्ता प्रदेशभर में प्रवास पर रहेंगे। भाजपा महा सदस्यता दिवस पर एक दिन में 25 लाख से अधिक सदस्य बनाकर अभियान को गति प्रदान करेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि महा सदस्यता दिवस पर मैं स्वयं दौसा प्रवास बूथों पर रहूंगा और बूथ स्तर पर भाजपा कार्यकर्ता के साथ मिलकर आमजन को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाउंगा।

भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा के महा सदस्यता दिवस पर प्रत्येक विधानसभा के बूथ, शक्ति केंद्र, मंडल स्तर पर भाजपा कार्यकर्ता सुबह 8 से रात 8 बजे तक विशेष अभियान चलाकर आमजन को सदस्य बनाएंगे। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर 5, शक्ति केंद्रों पर 2, मंडल स्तर पर 5 और सभी विधानसभा स्तर पर 1-1 भाजपा कार्यकर्ता दिनभर बूथ पर प्रवास पर रहेंगे। इतना ही नहीं, भाजपा प्रदेश कार्यालय से महा सदस्यता दिवस पर चलाए जा रहे विशेष अभियान की मॉनिटरिंग के लिए टीम का गठन भी किया गया है। वहीं प्रत्येक जिला स्तर पर 5-5 कार्यकर्ता को जिले की मॉनिटरिंग के लिए जिम्मेदारी भी दी गई है।

सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने के लिए सभी प्रदेश पदाधिकारियों, मोर्चो के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश कार्य समिति सदस्य, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, अभियान की प्रदेश, जिला एवं मंडल टोली दिनभर बूथ पर रहेंगे और आमजन को सदस्य बनाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम चरण के बाद 1 से 15 अक्टूबर तक दूसरा चरण चलाया जाएगा। इसके बाद 15 से 30 अक्टूबर तक तीसरा चरण चलाकर सक्रिय सदस्य बनाए जाएंगे।

भाजपा सदस्यता अभियान के सह संयोजक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा ने बताया कि भाजपा के महा सदस्यता दिवस पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश पदाधिकारी भी विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास पर रहेंगे। भाजपा प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर सलूंबर एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड दौसा में प्रवास पर रहेंगे, वहीं भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ अलका गुर्जर निवाई, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी चौरासी विधानसभा, अशोक परनामी रामगढ विधानसभा, सांसद घनश्याम तिवाडी झुंझुनूं, भाजपा महामंत्री दामोदर अग्रवाल शाहपुरा, श्रवण सिंह बगडी कोटपूतली, संतोष अहलावत उदयपुरवाटी, ओमप्रकाश भडाणा नावां, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा सलूंबर, सीआर चौधरी डेगाना, मुकेश दाधीच खींवसर, नारायण पंचारिया जायल प्रवास पर रहेंगे। अभियान के सह संयोजक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा कोटा देहात प्रवास पर रहेंगे और बूथ पर आमजन को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाएंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिल्ली विश्वविद्यालय में एबीवीपी के मरुकांतार स्पंदन समारोह में भाग लिया

चमकता राजस्थान।

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित रामजस कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित 'मरुकांतार स्पंदन 2.0' विद्यार्थी मिलन समारोह 2024 में भाग लिया।

समारोह में पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां,एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल व क्षेत्रीय संगठन मंत्री अश्विनी शर्मा,रामजस कॉलेज के प्रिंसिपल अजय अरोड़ा के साथ ही यूनिवर्सिटी के अनेक युवा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्रों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल छात्रों को एकजुट करते हैं, बल्कि भविष्य के नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण के लिए उनकी क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम हैं। इस अवसर पर उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनावों में अध्यक्ष पद हेतु ऋषभ चौधरी , उपाध्यक्ष पद हेतु भानु प्रताप सिंह , सचिव पद हेतु सुश्री मित्रविंदा कर्णवाल,संयुक्त सचिव पद हेतु अमन कपासिया जी को वोट देने का आह्वान किया।

उर्दू फारसी के विद्वानों और फनकारों सांस्कृतिक कार्यक्रम में लिया भाग

राजस्थान विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम कशिश की हुई महत्वपूर्ण शानदार प्रस्तुति

उर्दू अदब को बचायें रखने के लिए सरकार को उठाने होंगे सकारात्मक क़दम : अमीन पठान

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) राजस्थान विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग द्वारा आयोजित उर्दू अदब और फ़ारसी पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम कशिश में उत्साह और जोश का मनोरम संगम देखने को मिला गौरतलब है कि इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में 93 छात्रों भाग लिया कार्यक्रम कशिश भाषा,संस्कृति और ऐतिहासिक तथा साहित्य की विविधता को प्रदर्शित करने के मुख्य उद्देश्य से आयोजित किया गया था इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो-राम सिंह चौहान ने उर्दू अदब की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उसकी उपयोगिता को समझाया और स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करवाया इसके साथ ही प्रो. राम सिंह चौहान ने सभी प्रतिभागियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और इस प्रकार के आयोजनों को आगे भी प्रोत्साहित करने की बात कही।कुल मिलाकर 'कशिश' सास्कृतिक कार्यक्रम ने उर्दू और फारसी और किया की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत किया प्रतिभा को निखारने का एक मंच प्रदान किया कशिश कार्यक्रम में मुख्य रूप से निबंध प्रतियोगिता,वाद विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, ग़ज़ल जुगलबंदी,और सूफी शास्त्रीय संगीत का आयोजन किया इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता उर्दू विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राम सिंह चौहान ने की कशिश कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता अमीन पठान और विशिष्ट अतिथि कांग्रेसी नेता इमरान कुरैशी रहे इस दौरान कांग्रेसी नेता अमीन पठान ने अपने संबोधन में आ''न करते हुए उर्दू ज़बान को बचाने के लिए स्टूडेंट्स,तंज़ीमों और सरकार से अपील की। और कहा कि उर्दू एक तहज़ीब है और एक खूबसूरत ज़बान है,इसको बचाने के लिए हम सबको मिलकर लड़ाई लड़नी होगी।स्टूडेंट्स को उनके बेहतरीन मुस्तक़बील के लिये उनकी हौसला अफजाई की। राजस्थान विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ₹कशिश₹ में शिरकत कर छात्र छात्राओ का होंसला बढ़ाया। युवाओ को सन्देश देना चाहता हूँ कि आदर्शो एवं सिद्धान्तों पर चलते हुए एवं संगठित होकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। युवा ही देश की शक्ति है। आपको बता दें कि राजस्थान विश्विद्यालय उर्दू डिपार्टमेंट में यह कार्यक्रम 8 वर्ष पश्चात हुआ और सफल हुआ !कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता अमीन पठान , इमरान कुरैशी, कार्यक्रम का संचालन प्रो हुसैन रज़ा ने किया कार्यक्रम में उर्दू डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष प्रो रामसिंह चौहान ,पूर्व विभागाध्यक्ष नासिरा बसरी , डॉ जमीला, अस्सिटेंट प्रो मुकेश कुमार,डॉ अजमल हमीद, डॉ मो आरिफ , डॉ कमर नाज़नीन , डॉ तसनीम और राजस्थान विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के छात्र-छात्राओं सहित उर्दू अदब के चाहने वालों बड़ी संख्या ने कार्यक्रम में भाग लेकर इसको सफलता प्रदान की।

संक्षिप्त समाचार

सैकड़ो जलदाय कर्मचारियों ने ऐतिहासिक धरोहर के साथ छेड़छाड़ का किया विरोध

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक के नेतृत्व सैकड़ो जलदाय कर्मचारियों ने पानीपेच स्थित नाला आमानशाय (बर्ड पार्क) में एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि जलदाय विभाग की ऐतिहासिक मशीनरी व पम्पिग स्टेशन के साथ छेड़छाड़ कर दुरस्त किया जा रहा संघठन ने आरोप लगया है कि जो यहां मशीनरी ब्रिटिश काल से स्थापित है सन 1891 में सवाई मानसिंह द्वितीय ने इंग्लैंड से यहाँ मशीनरी को जयपुर वासियो के लिए जल सप्लाई के लिए लगवाया गया था और ऐतिहासिक इमारतो के साथ छेड़छाड़ कर जलदाय विभाग के पम्पिग हॉउस के साथ छेड़छाड़ कर जलदाय विभाग की आधुनिक वस्तुओ को समाप्त किया जा रहा है जिसको लेकर कर्मचारी संगठन ने आक्रोश व्याप्त कर विरोध दर्ज किया और मांग की गई कि जो अवैध निर्माण कैफे निर्माता द्वरा करवाया जा रहा उसे तुरंत रोका जाए अन्यथा कर्मचारी प्रदेश व्यापी आंदोलन करंगे कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी कार्यवाहक अध्यक्ष केदार शर्मा संरक्षक जे.पी शर्मा सहित सैकड़ों लोगों ने अधिक्षण अभियन्ता रामवतार सैनी अधिशाषी अभियंता दीपक शर्मा सहायक अभियंता निशान्त प्रकाश को मौके पर बुलाकर पूरे मामले को दिखाया कर्मचारी संगठन को लिखित में पत्र देकर पूरे मामले को शांत किया जिसमे लिखा गया कि मूल स्वरूप के साथ छेड़छाड़ नही होगी जो नुकसान हुआ है उसको लेकर जयपुर विकास प्राधिकरण से अधिकृत फर्म को पुनः उसे स्थापित किया जायगा और उचित निर्णय तक कैफे के कार्य पर प्रतिबंद लगया गया ।

जलदाय कर्मचारी टीकमचंद के साथ अभद्र व्यवहार को लेकर विभाग ने कैफे संचालक के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया गया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कथा में व्यास पीठ की पूजा-अर्चना की

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 24 सितम्बर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे मंगलवार को वैशाली नगर स्थित टैगोर स्कूल पहुँचे। उन्होंने वहाँ श्री राधा गोविन्द सेवा मिशन छत्रपति संभाजी नगर महाराष्ट्र एवं राधा गोविन्द सेवा समिति जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में चल रही कथा में भाग लेकर व्यास पीठ की पूजा-अर्चना की। बाद में उन्होंने कथा वाचक परम श्रद्धेय श्री प्रियाशरण जी महाराज द्वारा की जा रही कथा भी सुनी।

फूड सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के आयें चौंकाने वाले परिणाम

जयपुर में नकली बताकर घी, तेल, केक नष्ट करवा दिए

चमकता राजस्थान

9 महीने में लीये 404 सैंपल, 19 ही फेल मिले, विभाग ने कहा-हाइजीन मेंटेन नहीं करना भी शर्तों का उल्लंघन

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर में पिछले 9 महीने में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की कार्रवाई के चौंकाने वाले रिजल्ट सामने आए हैं। डिपार्टमेंट ने शहर में अलग-अलग दुकानों, रेस्टोरेंट, होटल, उत्पाद निर्माता फैक्ट्रियों में जाकर छापे मारक भारी तादाद में घी, तेल, मिठाइयां, केक और तैयार सब्जियों को नकली या सब स्टैंडर्ड (मिलावटी) बताकर नष्ट करवाए थे, लेकिन अब जांच में 404 सैंपल में से 19 ही फेल मिले हैं।फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने 467 व्यापारियों के यहां औचक निरीक्षण किया था। इनके यहां से अलग-अलग उत्पादों के 404 सैंपल संदिग्ध मानते हुए जांच के लिए लैब भिजवाए गए। इन सैंपल की अब रिपोर्ट आई तो उसमें सामने आया कि केवल 19 सैंपल ही अनसेफ या फेल मिले, जबकि 98 सब-स्टैंडर्ड, 1 मिस ब्रांड मिला है।यहां कार्रवाई, लेकिन जांच में सेफ 12 अगस्त को पॉलोविक्ट्री के पास एक ट्रैवल एजेंसी के यहां छापा मारा गया। यहां से 1245 लीटर अलग-अलग ब्रांड का घी पकड़ा। टीम के अधिकारियों ने इसे अमानक और घटिया मानते हुए सीज किया। जांच के लिए सैंपल भिजवाए। जांच में ये घी सही निकला।9 मई को झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक नामी बेकरी की फैक्ट्री पर छापा मारा। यहां 15 किलो केक खराब मानते हुए नष्ट करवाया। ब्रेड आदि के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भिजवाए। इस दौरान बेकरी संचालक का फूड लाइसेंस भी सस्पेंड करके उसके प्रोडक्शन एरिया को सील कर दिया। जांच में बेकरी के ब्रेड के सैंपल सही पाए गए। 9 मई को ही रामगंज स्थित एक नॉनवेज रेस्टोरेंट संचालक पर छापा मारा। यहां से तैयार प्रोडेक्ट के सैंपल लिए। सैंपल जांच में पास निकले।23 अगस्त को शास्त्री नगर स्थित एक डेयरी पर छापा मारा, जहां पनीर और मावे को खराब माना। 40 किलोग्राम पनीर के अपशिष्ट एवं मावे को नष्ट करवाया। सैंपल की जांच हुई तो मावा पूरी तरह सही पाया गया, हालांकि पनीर सब स्टैंडर्ड निकला। यहां मिलावटी पाए गए सैंपल जयसिंहपुरा खोर में घी बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारा गया था।

खिलाड़ी चंचल राठौर का बूंदी पहुंचने पर ने किया स्वागत

चमकता राजस्थान। बूंदी !(राजकुमार राठौड)। जयपुर मे हुई 68वीं राज्यस्तरीय कराटे प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीत खिलाड़ी चंचल राठौर ने शहर का नाम रोशन किया है खिलाड़ी चंचल राठौर के बूंदी पहुंचने पर नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, पार्षद मानस जैन एवं जिला खेल अधिकारी यतेन्द्र बहादुर सिंह ने विजेता खिलाड़ी को स्मृति चिन्ह भेंट कर और मेडल प्रदान कर सम्मानित कियाउमंग जूडो कराटे आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र के सभी खिलाड़ी, खोज गेट चौराहा पर एकत्रित होकर भव्य ढोल नगाड़े बजाते , आतिशबाजी करते हुए खेल संकुल पहुंचे। जहां मुख्य अतिथि सभापति सरोज अग्रवाल ने सभी खिलाडियों को चंचल राठौर से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की बात कही।सभापति सरोज अग्रवाल ने कहां कि आज के दौर में पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी है, आजकल के बच्चे मोबाइल में समय खराब कर रहे हैं वे चंचल राठौर की तरह अपने शहर राज्य के साथ देश का नाम रोशन करे। वहीं अध्यक्षता कर रहे वार्ड पार्षद मानस जैन ने कहां कि जज्बा और लगन के साथ किया कार्य सफल होता है। अतिथियों का स्वागत ब्लैक बेल्ट पारस जैन, प्रयांशु बेरवा, रिमझिम गौतम, एसफीन खान, प्रत्युषा श्रृंगी ने किया। कार्यक्रम का मंच संचालन योगेश साहु ने किया इस दौरान राठौर समाज पदाधिकारी तरुण राठौर, गणेश राठौर, राधेश्याम नैनवा समेत विजेता खिलाड़ी के पिता महावीर राठौर मौजूद रहे। कोच शिल्पा जैन, अभय जैन ने बताया कि चंचल राठौर पिछले छः वर्षों से उमंग क्लब में ट्रेनिंग ले रही है।

जयपुर हैरिटेज का चहुंमुखी और स्वर्णिम विकास ही एक मात्र प्राथमिकताः महापौर कुसुम यादव

जयपुर हेरिटेज निगम की कार्यवाहक मेयर बनीं कुसुम यादव,60 दिन का होगा कार्यकाल

चमकता राजस्थान

टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में लड़ा था पार्षद का चुनाव, वार्डवासियों ने दिया था आशिर्वाद

जयपुर। (खलील कुरैशी) जयपुर नगर निगम हेरिटेज में निर्दलीय पार्षद कुसुम यादव कार्यवाहक मेयर बन गई हैं। कुसुम यादव का कार्यकाल 2 महीने (60 दिन) का रहेगा। पार्षद चुनाव के वक्त भाजपा ने कुसुम यादव को टिकट नहीं दिया था। इसके बाद कुसुम बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़कर पार्षद का बनी थीं। हालांकि चुनाव जीतने के बाद यादव ने भाजपा को समर्थन दिया था। तब बीजेपी ने उन्हें मेयर पद का उम्मीदवार भी बनाया था।कुसुम यादव भाजपा के कार्यकर्ता अजय यादव की पत्नी हैं। वहीं कुसुम खुद भी दूसरी बार नगर निगम में पार्षद बनी हैं। इससे पहले वह सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। इससे पहले नगर निगम हेरिटेज में कांग्रेस पार्टी के 8 पार्षद बिना शर्त भाजपा में शामिल हो गए थे। निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर की कार्यशैली से परेशान होकर कांग्रेस पार्टी के 12 से ज्यादा पार्षद पिछले 3 महीने से भाजपा के नेताओं के संपर्क में थे। इनमें सिविल लाइंस, आदर्श नगर और किशनपोल विधानसभा के पार्षद थे। ये लोग मुनेश गुर्जर से प्रताड़ित होकर उन्हें पद से बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे। 21 सितंबर को बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से इन पार्षदों की अनौपचारिक मुलाकात हुई थी। इसमें से 8 पार्षदों ने उसी वक्त बीजेपी में आने का फैसला किया। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को बिना शर्त बीजेपी जॉइन करने का हस्ताक्षर युक्त समर्थन पत्र दिया।

● इन कांग्रेसी एवं निर्दलीय पार्षदों ने भाजपा का दामन थामा

मनोज मुगल वार्ड 35, उत्तम शर्मा वार्ड 49, ज्योति चौहान वार्ड 46, सुशीला देवी वार्ड 63, अरविंद मेठी वार्ड 71, मोहम्मद जकरिया वार्ड 65, पारस जैन वार्ड 80, संतोष कंवर वार्ड 78 ने भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर बिना शर्त समर्थन पत्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को सौंप दिया है। एक दर्जन से ज्यादा कांग्रेसी पार्षद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क में हैं। जो जल्द ही भाजपा को अपना समर्थन दे सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

राहत सामग्री नहीं मिलने पर बाढ़ पीड़ितों ने किया धरना प्रदर्शन

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज प्रखंड के मिरहट्टी पंचायत के बाढ़ प्रभावितों ने राहत सामग्री नहीं मिलने को लेकर प्रखंड मुख्यालय में धरना प्रदर्शन किया। सुल्तानगंज के मिरहट्टी पंचायत में गंगा का जलस्तर बढ़ने से सभी के घर में पानी घुसने पर लोगों जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। सरकार के द्वारा राहत सामग्री नहीं मिलने पर सुल्तानगंज प्रखण्ड मुख्यालय पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। बाढ़ प्रभावित ग्रामीण, मुखिया अशोक यादव, सरपंच सुबोध कुमार आदि ने बताया कि गंगा जलस्तर बढ़ने से बीते पांच दिन से मिरहट्टी पंचायत बाढ़ के चपेट में है। सभी के घरों में गंगा का पानी घुस गया है। खेतों में लगे धान का फसल बर्बाद हो गया है लेकिन अब तक लोगों को कोई राहत सामग्री नहीं मिला है। बाढ़ प्रभावित लोग इधर उधर भटक रहे हैं। इस दौरान राजद प्रखण्ड अध्यक्ष कैलाश प्रसाद यादव ने भी बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत कर पदाधिकारियों से जल्द से जल्द राहत सामग्री दिलाने कि बात कही। वहीं जिला भूअर्जन पदाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत कर राहत सामग्री जल्द से जल्द उपलब्ध करने की बात कही।

मैनागुड़ी में मालगाड़ी के 5 डिब्बे पटरी से उतरे

कोलकाता। देशभर में एक के बाद एक हो रही दुर्घटनाओं के कारण भारतीय रेलवे व्यावहारिक रूप से 'मौत की ट्रेन' बन गई है। लेकिन अधिकारियों ने होश नहीं लौट रहा है। इस बार असम से न्यू जलपाईगुड़ी जाते वक्त मैनागुड़ी में 5 डिब्बे पटरी से उतर गई। हालांकि ट्रेन मालगाड़ी होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन एक के बाद एक हादसों से भारतीय रेलवे की यात्री सुरक्षा को लेकर बार-बार सवाल उठ रही हैं। पता चला है कि यह हादसा मंगलवार सुबह करीब 6 बजे न्यू मैनागुड़ी स्टेशन के पास हुआ। ट्रेन असम से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही थी। अचानक स्थानीय लोगों को तेज आवाज सुनाई द। जब वे मौके पर पहुंचे तो देखा कि मालगाड़ी के कई डिब्बे उलट गई है। खबर पाकर रेलवे अधिकारी मौके पर आये। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अलीपुरद्वार डिवीजन के डीआरएम अमर दीप गौतम ने कहा, 'हम पूरी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। हादसा किस वजह से हुआ इसकी जांच शुरू कर दी गई है। क्षतिग्रस्त रेल लाइन की मरम्मत कर रेल परिचालन बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक ट्रेन में कोई सामान नहीं था। इसके अलावा कार्गो के कारण भी कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, हादसे के कारण रेलवे का बिजली पोल काफी क्षतिग्रस्त हो गया। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कोपिंजल किशोर शर्मा ने कहा, ह्रदुर्घटना के कारण ट्रेन सेवा बाधित नहीं हुई। लाइन मरम्मत का काम शुरू हो गया है"। उत्तर बंगाल और उत्तर पूर्व भारत की ओर जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनें वैकल्पिक मार्गों पर चल रही हैं।

मध्यस्थता व चकबंदी समिति लंबित मुकदमों का त्वरित निस्तारण कर रही है

कोलकाता। 'तारीख पर तारीख' वाली कहावत अदालत में मुकदमे की लंबी प्रक्रिया को दर्शाती है। वकीलों को न्याय पाने के लिए दीर्घकालिक लागतें चुकानी पड़ती हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार निचली अदालतों में एक साथ राष्ट्रीय लोक अदालतें बैठती रही हैं इसी तरह, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशन में कलकत्ता हाई कोर्ट की मध्यस्थता और सुलह समिति मामले को बिना किसी रुकावट के सुलझाने के लिए लगातार काम कर रही है। यह 2002 में पूरे देश में लागू हुआ। हालाँकि, 2003 और 2005 में, सलेम एडवोकेट बार एसोसिएशन (तमिलनाडु) ने मध्यस्थता अधिनियम को चुनौती देते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दो अलग-अलग मामले दायर किए। दोनों ही मामलों में, सुप्रीम कोर्ट ने कुछ संशोधनों के साथ सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 89 को संवैधानिक घोषित कर दिया। मध्यस्थता और सुलह समिति ने 2009 में कलकत्ता उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश मोहित शांतिलाल शाह के तहत काम करना शुरू किया। कलकत्ता उच्च न्यायालय मध्यस्थता और सुलह समिति द्वारा नियुक्त मध्यस्थों द्वारा भूमि संबंधी मामलों से लेकर वाणिज्यिक-विवाह संबंधी मामलों तक का निपटारा किया जाता है।

संग्रामपुर में 112 पुलिस टीम पर हमला, एक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र स्थित बरियरिया गांव में 112 पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया, जिसमें पुलिस जवान चोटिल हो गए जबकि गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त करने के लिए लाठी-डंडा और पत्थरबाजी की गई। पुलिस टीम ने मुख्य आरोपित मुकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम के पीटीसी सरोज कुमार ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर सात नामजद सहित 30 से 35 अज्ञात लोगों पर प्राथमिक दर्ज करायी है। आवेदन में कहा गया है कि बरियरिया गांव से 112 को फोन आया कि किसी के घर में चोर घुसा हुआ है। इस सूचना पर जब टीम पहुंची तो मुकेश यादव एवं उनके सात सहयोगी व 30 से 35 अज्ञात लोग एक साजिश के तहत पुलिस टीम पर हमला कर दिए और गाड़ी को क्षतिग्रस्त करने के उद्देश्य से लाठी-डंडा और पत्थर चलाए, जिससे गाड़ी का शीशा टुट गया। थाना अध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर टीम पर हमला के मुख्य आरोपित बरियरिया गांव के मुकेश यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रियासत में जेल भेज दिया गया।

जयदेव-कोलकाता रूट की बस बंद, सीएम ने की कार्रवाई

संवाददाता

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर कोलकाता-जयदेव रूट पर बसें शुरू की गयीं थी। लेकिन उनका जीवन काल केवल 15 दिन का था। इसके बाद सेवा फिर बंद हो गयी थी। जयदेव क्षेत्र के एक स्थानीय पत्रकार ने उस रूट पर फिर से बसें शुरू करने का अनुरोध किया। शिकायत मिलने के बाद ममता ने बुधवार से कोलकाता-जयदेव रूट पर बसें चलाने का आदेश दिया। उन्होंने मुख्य सचिव से भी बात की। हर दिन कई लोग बीरभूम के जयदेव से बर्दवान मेडिकल कॉलेज अस्पताल या कोलकाता के कई अस्पतालों तक यात्रा करते हैं। लेकिन संचार की कोई सीधी रेखा नहीं थी। मुख्यमंत्री से बार-बार अपील के बाद जयदेव-कोलकाता मार्ग पर बस सेवा शुरू की गई थी। लेकिन 15 दिनों की अनियमित बस सेवा के बाद बंद हो गयी थी। इस दिन जयदेव वार्ता अखबार के पत्रकार अनादि बनर्जी ने मुख्यमंत्री से सेवा शुरू करने की अपील की। उनके शब्दों में, ह्रहमलें से कई लोग जयदेव से बर्दवान मेडिकल कॉलेज अस्पताल और कोलकाता के कई अस्पतालों तक यात्रा करते हैं। बस सेवाओं की शुरुआत से सत्यापन में सुविधा हुई। लेकिन वह बस बंद हो गई है। शिकायत मिलते ही मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव मनोज पंत से बात की। उन्होंने कहा कि इसके बाद कल यानी बुधवार से बस सेवा शुरू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री के आदेश से अनादिबाबू खुश हैं। उन्होंने कहा, "उन्होंने निश्चित रूप से कहा कि यह कल से जारी रहेगा। चलो देखते हैं क्या होता है।

जितिया पर्व पर तालाब में स्नान करने गईं तीन लड़कियों की डूबने से मौत

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिले के लखौरा थाना क्षेत्र में जितिया पर्व के नहाय-खाय मौके पर मंगलवार को महिलाओं के साथ तालाब में स्नान करने गईं तीन लड़कियों की डूबने से मौत हो गई। घटना लखौरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर के कटहरिया टोला की है। मृत लड़कियों की पहचान लखौरा थाना क्षेत्र के नौरंगिया पंचायत के लक्ष्मीपुर साव टोला वार्ड नंबर 09 के निवासी शिवपूजन राम की दो पुत्री रंजू कुमारी (20) व मंजू कुमारी (15) के रूप में की गई है जबकि तीसरी लड़की लखौरा थाना क्षेत्र के नौरंगिया पंचायत के लक्ष्मीपुर साव टोला वार्ड नंबर 09 निवासी परमानंद बैठा की 20 वर्षीय पुत्री रीमा कुमारी है। बताया गया कि रीमा की इसी साल शादी हुई थी। तीनों गांव की महिलाओं के साथ सरेह में स्थित तालाब में स्नान करने गईं थीं। इस दौरान तीनों लड़कियां एकाएक गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं। महिलाओं ने ग्रामीणों को इस घटना की सूचना दी। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद एक लड़की का शव तालाब से निकाला जबकि दो अन्य लड़कियों के शवों को मौके पर पहुंचे गोताखोरों ने निकाला। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे लखौरा थानाध्यक्ष व पुलिस टीम ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने की तैयारी में जुटी है।

आरजी कर डॉक्टर की बलात्कार या हत्या सीबीआई को अब भी पता नहीं चल पाया

संवाददाता

कोलकाता। डेढ़ महीने बाद भी मकसद को लेकर असमंजस की स्थिति है। आरजी कर मामले में संजय रॉय के खिलाफ रेप और हत्या की चार्जशीट दाखिल करने का रास्ता नहीं ढूंढ पा रही है सीबीआई। जानकार सूत्रों का मानना है कि सीबीआई को कोलकाता पुलिस के दिखाए रास्ते पर चलते हुए आरोप पत्र दाखिल करना पड़ सकता है। आरजी कर हॉस्पिटल में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या की घटना के बाद कोलकाता पुलिस महज चार दिन की हिरासत के बाद मुख्य आरोपी संजय रॉय से पूछताछ करने में कामयाब रही। 13 अगस्त को सीबीआई ने इस रेप और हत्याकांड की जांच अपने हाथ में ली थी। इसके बाद से दो हफ्ते तक हिरासत में रहकर सीबीआई अधिकारियों ने संजय से पूछताछ की थी। यहां तक कि, कई तथ्यों की जांच के लिए सीबीआई ने सिविक वालंटियर संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट भी कराया। लेकिन सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई अधिकारियों को कोई नई जानकारी नहीं मिली है। लेकिन नए कानून के मुताबिक, रेप और हत्या जैसे अपराध के मामलों में 60 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल करना होगा। वहीं, इस मामले की चार्जशीट अक्टूबर के पहले हफ्ते में सियालदह कोर्ट में दाखिल की जाएगी। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, आरजी कर अस्पताल की चौथी मंजिल पर सेमिनार हॉल के अंदर से युवा महिला डॉक्टर का रक्तरंजित शव बरामद किया गया था। लेकिन घटना के तुरंत बाद हॉल के विपरीत दिशा में एक घर के ध्वस्त होने के कारण, सीबीआई का मानना है कि उसका शव सेमिनार हॉल में मिला था लेकिन बलात्कार और हत्या का दृश्य कहीं और था। सीबीआई को जानकारी मिली कि पीड़िता को दहाए गए घर या 6ठी या 8वीं मंजिल के एक कमरे में ले जाया गया और प्रताड़ित किया गया। पिटाई के बाद बदमाश उसे बेहोशी की हालत में सेमिनार हॉल में छोड़कर भाग गए गए। इसके बाद संजय राय हॉल के अंदर गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। अंततः उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी गई। लेकिन 40 से ज्यादा डॉक्टरों, हॉस्पिटल स्टाफ, नर्सों, मेडिकल छात्रों से पूछताछ के बाद कई 'जानकारियां' सीबीआई के सामने आई हैं, जिनके बारे में सीबीआई का दावा है कि ये भ्रामक हैं। नतीजा यह हुआ कि सेमिनार हॉल के अलावा आरजी कर के किसी अन्य कमरे में भी युवा डॉक्टर को पीटा गया या प्रताड़ित किया गया, लेकिन उस कमरे की पहचान सीबीआई नहीं कर सकी। इसलिए अब तक, सीबीआई के अनुसार, इस बात का कोई सबूत नहीं है कि सेमिनार हॉल के अलावा कोई अन्य जगह घटना स्थल है। उस मामले में कोलकाता पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया आरोपी संजय रॉय ही एकमात्र आरोपी है। सीबीआई को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि संजय के अलावा कोई और सीधे तौर पर रेप और हत्या में शामिल था।

कोलकाता में नहीं चलेगी ट्राम, केवल जॉय राइड रहेगी

संवाददाता

कोलकाता। जैसे मां की त्वचा की अपनी गंध होती है, वैसे ही हर शहर की अपनी आवाज होती है। वो चंद शब्द शहर की पहचान बन जाती है। उसे उसकी अपनी पहचान देता है। चाहे वह शहर से कुछ हजार मील दूर ही क्यों न हो, कान में पड़ते ही शब्द पूरे शहर की याद दिला देता है। आप वापस आकर कैसा महसूस कर रहे हैं? स्मृतियों में कितना विषाद तैरता है। कोलकाता शहर के लिए मन को झकझोर देने वाली ध्वनियों में सबसे ऊपर संकरी रेखा पर 'स्पंदन' कर रहे ट्राम के पहियों की गड़गड़ाहट होती। अपने बचपन की याद आ जाती है, बुढ़ापे में अपने प्रियजनों के साथ अकेले शहर में घूमने की। लेकिन वह पुरानी यादें भी मिटने की राह पर हैं। क्योंकि ट्राम व्यावहारिक रूप से कोलकाता से हटने जा रही है। कोलकाता देश का एकमात्र शहर है, जहाँ ट्राम चलती है। जो अब बंद होने वाला है। कोरोना के बाद से शहर में एक के बाद एक रूट पर यह सेवा बंद कर दी गई है। वर्तमान में केवल मुट्ठी भर चार मार्ग ही बचे हैं। इस बार ये भी बंद होने की राह पर है। मॉडल के तौर पर ट्राम को जॉयराइड के तौर पर सिर्फ एक रूट पर चलाने का फैसला किया गया है। यह धर्मतला और मैदान के बीच चलेगा। राज्य ने अदालत को यह बात बताएगा। राज्य के परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने सोमवार को कहा कि ट्राम सेवाओं को बंद करने का निर्णय ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं से बचने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा, "एस्प्लेनेड से मैदान तक हेरिटेज स्वरूप में एक सुसज्जित ट्राम चलेगी। जो लोग कोलकाता आयेंगे वे उस ट्राम में चढ़ेंगे। हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका चल रही है। कोर्ट भी हमारा फैसला जानना चाहता है।" हमारे द्वारा जानकारी दी जाएगी। जॉयराइड को छोड़कर किसी भी रूट पर ट्राम नहीं चलेंगी। मैं लाइन भी हटा दूंगा। सड़क नहीं बढ़ी. गाड़ियाँ बढ़ गई हैं। इसलिए ट्रैफिक जाम हो रहा है। इस सड़क पर ट्राम चलाना असंभव है ह्र गौरतलब है कि शहर में ट्राम सेवाएं जारी रखने की मांग को लेकर कोलकाता ट्राम यूजर्स एसोसिएशन की ओर से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। कोर्ट उस मामले में राज्य का फैसला जानना चाहता है। बहुत सी चीजें समय के साथ तालमेल बिठाए बिना हटा दी गई हैं। कोलकाता की पुरानी यादें भी सर्दियों के पेड़ की पत्तियों की तरह गिर रही हैं। डबल डेकर बसें, टेलीग्राम, गैस के गुब्बारे, आइसक्रीम की स्टिक या शल्पता में लिपटे आलू ने स्मृति के पीले पन्नों में अपनी जगह बना ली है। वे चमकदार नीयन रोशनी से धीरे-धीरे धुंधले हो जाते हैं। तिलोत्तमा की चूहे की दौड़ के साथ तालमेल नहीं बिठा पाने के कारण, समय की मांग को पूरा करने के लिए, ट्राम को भी आगे बढ़ना होगा।

आपदा के समय जरूरतमंदों की मदद करना धर्म और मानवता का बड़ा काम : सैयद हसन

एजेंसी

भागलपुर। जिले में बाढ़ की स्थिति काफी भयावह हो चुकी है। बाढ़ प्रभावित हजारों लोग अपने घरों से दूर सड़क पर या ऊंची जगह पर शरण लिए हुए हैं। ऐसी स्थिति में उनके लिए खाने पीने की दिक्कतों के साथ चिकित्सा भी बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। ऐसे में सरकार द्वारा शिविर लगा कर काम किया जा रहा है और साथ ही सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी बाढ़ पीड़ितों के दरम्यान राहत कार्य किया जा रहा है।

भागलपुर ही नहीं पूरे बिहार में मशहूरतरीन खानकाह पीर दमड़िया शाह एवं खास कर वक्फ सैयद शाह इनायत हुसैन 159 के मुतवल्ली द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत पहुंचाने का काम लगातार किया जा रहा है। जहां दिलदारपुर बाढ़ पीड़ित विस्थापितों के लिए 10 दिनों तक वक्फ 159 शाह मार्केट द्वारा शिविर लगा कर खाना खिलाने का काम किया गया था तथा गौवंश और मवेशियों के लिए भी चारा उपलब्ध कराया गया था। मंगलवार को बाढ़ में फंसे अपने घरों की छतों पर मजबूरन फंसे रह कर जिंदगी गुजारने वालों के बीच नाव द्वारा उन तक पहुंच कर चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। जहां बड़ी संख्या में लोगों के बीच ग्रामीण चिकित्सकों की मदद लेते हुए जरूरतमंदों को दवाइयों का वितरण किया गया। वक्फ 159 शाह मार्केट के मुतवल्ली सैयद शाह फकरे आलम हसन ने कहा कि इस आपदा के हालात में फंसे हुए लोगों की मदद करना धर्म और मानवता का बड़ा काम है। ऐसे कार्यों से सामाजिक सद्भाव और आपसी प्रेम और एकजुटता का पैगाम आम होता है। उल्लेखनीय हो की वक्फ 159 द्वारा सभी सामाजिक संस्था जो बाढ़ राहत में काम कर रहे है उन्हें दवाइयों से भरी एक किट मुहैया कराया जा रहा है। जिसे संस्था ग्रामीण चिकित्सकों के द्वारा से जरूरतमंदों के बीच बांटेंगे। इसी सिलसिले में एक किट आज जन प्रिय संस्था के कर्णधार गौतम मल्लाह को वक्फ द्वारा मुहैया कराया गया। आज के इस नेक काम में खास कर साद हुसैनी, मुहम्मद अहमद, सागर महतो, सुदर्शन, मुन्ना, उस्मान शाह और प्रोफेसर देबज्योति का साथ रहे।

सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारें : सिग्रीवाल

संवाददाता

सीवान। सरकार की सभी योजनाओं को सही रूप से धरातल पर उतारने का निर्देश महराजगंज के सांसद एवं जिला दिशा समिति के अध्यक्ष जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने दी। उन्होंने जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि पीडीएस की दुकानों से पांच किलो अनाज लाभुकों को मिले एमएम गोदामों से दुकान डैरनिक को सही वजन से खाद्यान्न मिले इसके लिये एक कमिटी बनायी गई है। इस जांच में जो भी दोषी होंगे उन पर कारवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज की जायेगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से भी कहा गया है कि जनप्रतिनिधियों को उचित सम्मान देते हुए उनकी बातों को सुनें। सीग्रीवाल ने कहा कि दिशा की बैठक में जो निर्णय लिया गया है,उस पर क्या कारवाई हुई अगली बैठक में चर्चा की जायेगा।इस मौके पर दिशा की उपाध्यक्ष एवं सीवान की सांसद विजयलक्ष्मी कुशवाहा, दिशा के सचिव सह जिलाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता, विधायक सत्यदेव राम, करणजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह, देवेशकान्त सिंह एवं अमरजीत कुशवाहा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नशे के सौदागर के घर से मिली नगद 4.47 लाख रुपए,दो गिरफ्तार

अररिया। अररिया आरएस थाना पुलिस ने नशीली दवा के धंधेबाजों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस नशीली दवा के धंधेबाज के घर सूचना पर नशीली दवाईयों के खेप को पकड़ने के लिए गई थी लेकिन पुलिस को नशीली दवाई तो नहीं मिली।बेचकर जमा संदूक में रखे चार लाख 47 हजार 730 रुपए बरामद हुए। पुलिस ने नगद राशि नशे का सौदागर के घर पर छापेमारी कर की है पुलिस ने तस्कर चन्द्रदेई वार्ड संख्या छह का रहने वाला मो सद्दाम व खैरगंज वार्ड संख्या तीन का रहने वाला मो महबूब आलम है। अररिया आरएस थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने मंगलवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नशीली दवा के तस्कर मो सद्दाम अपने साथी मो महबूब आलम के साथ नशीली दवा की बड़ी खेप को ठिकाने लगाने वाला है।

मांग | सीपीएम राज्य सचिव पहुंचे अग्निपीड़ित महादलित टोला कृष्णा नगर

सभी को सहायता राशि अविलंब देने की मांग की

एजेंसी

नवादा। नवादा जिले के मुफस्सिल थाना अंतर्गत कृष्णा नगर महादलित टोले में आगजनी और फायरिंग की घटना के बाद सीपीएम की राज्य स्तरीय 6 सदस्यीय टीम मंगलवार को पहुंची। जांच टीम को वहां तैनात पुलिस निरीक्षक ने घटनास्थल पर जाने से रोका लेकिन अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश के बाद जाने की अनुमति मिली। वहां उपस्थित रामप्रीत मांझी, मिथिलेश मांझी, मारो देवी, रामेश्वरी देवी, किशोरी रविदास, संजय रविदास आदि ने बताया कि पिछले वर्ष भी अपराधियों ने जमीन से बेदखल करने के लिए हमला किया था। तब थाने में मुकदमा दर्ज नहीं किया गया था। जांच टीम ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए नामजद अभियुक्तों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की। जांच टीम में शामिल सीपीएम के राज्य सचिव ललन चौधरी ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि वर्षों से गरीब जमीन पर बसे हुए हैं, किन्तु प्रशासन ने उन्हें वास का पर्चा निर्गत नहीं किया। पिछले साल भी अप्रैल महीने में गरीबों पर हमले हुए। उस वक्त अगर हमलावरों पर कार्रवाई होती तो शायद सामंती अपराधी गरीबों पर दोबारा हमला नहीं करते। सामंती शक्तियों ने जमीन पर आधिपत्य जमाने के लिए दलितों पर हमला कराया है। राज्य सरकार जमीन से जुड़े विवादों का निपटारा नहीं कर रही है, जिसके कारण अभी भी हिंसक वारदातें होती रहती है। उन्होंने कहा कि 15 एकड़ जमीन पर गरीब बसे हुए हैं, जिला प्रशासन उन्हें अविलंब पर्चा निर्गत करे। प्रशासन द्वारा मात्र 30 से 40 परिवारों को सहायता राशि दी गई है, जबकि वहां 80 महादलित परिवार बसे हुए हैं, उन्हें सहायता राशि नहीं दी गई है। उन्होंने सभी को सहायता राशि अविलंब देने की मांग की। उन्होंने कहा कि कैंप में खाने-पीने की जो व्यवस्था की गई है उसमें गुणवत्ता की कमी है, अपेक्षित सुधार की जरूरत है। दलित शोषण मुक्ति मंच के राज्य महासचिव श्याम भारती ने कहा कि बिहार में भाजपा के समर्थन से सरकार बनने के बाद दलित-महादलित और कमजोर वर्गों पर हमलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि सामंतियों ने दलित वर्ग को आगे कर दलितों पर हमला कराया है, जो बहुत निंदनीय है। दलितों से अपील है कि अपनी एकता को बरकरार रखते हुए सामंतियों के झांसे में नहीं आएं। एनडीए की सरकार अगर समय रहते जमीन विवाद को हल करने में कामयाब रहती तो शायद ऐसा बर्बरतापूर्ण जुल्म दलितों पर ढाया नहीं जाता। उन्होंने सभी नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर स्पीडी ट्रायल के जरिए सजा दिलाने की मांग की।

सेवा पखवाड़ा पर मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन

एजेंसी

नवादा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नवादा जिले के सदर प्रखंड के समय गांव में मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन भाजपा चिकित्सा मंच के अध्यक्ष डॉ महेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसका उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा पुनीता पूर्व सिविल सर्जन डॉक्टर विमल कुमार सिंह ने की। मुफ्त दवा वितरण ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर का जांच किया गया। करीब 1000 से ऊपर मरीजों को चिकित्सीय सुविधा दिया गया साथ में बीजेपी सदस्यता ग्रहण अभियान के तहत सदस्य बनाया गया। इस कार्यक्रम में नवादा के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ विमल प्रसाद सिंह ,डॉक्टर संतोष कुमार ,डॉक्टर राघव राज, डॉक्टर अर्चना कुमारी ,डॉक्टर मनोज कुमार एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ महेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्री अनिल मेहता ,पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार , पूर्व जिला अध्यक्ष शशिभूषण कुमार बबलू ,भाजपा उपाध्यक्ष प्रताप रंजन ,समाय गांव के पूर्व प्रमुख डॉ विनय बाबू ,आईटी सेल अविनाश, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अभिजीत कुमार ,राहुल विश्वास कुमार विशु इत्यादि ने अपना योगदान दिया। डॉ महेश कुमार ने कहा कि गांव गांव में मुफ्त चिकित्सा सीरियल का आयोजन कर मरीजों की सुविधा दिए जाने के साथ भाजपा के सदस्य बनाए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

शरद राज को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए सतत सक्रिय है। यहां के विद्यार्थियों ने योग, एनिमेशन, पत्रकारिता, कम्प्यूटर साइंस आदि क्षेत्रों में अपना परचम लहराया है। ऐसी ही एक और उपलब्धि देसंविवि के कम्प्यूटर साइंस के विद्यार्थी शरद राज के साथ जुड़ी। शरद राज ने अपनी इंटर्नशिप के दौरान उत्तराखण्ड के आदर्श चम्पावत भू स्थानिक डैशबोर्ड प्रोजेक्ट पर उल्लेखनीय कार्य किया है। शरद राज ने जनवरी से जून के बीच औद्योगिक परीविक्षा के दौरान यूसीओएसटी एवं आईआईआरएस देहरादून में अपनी सेवाएं दी। उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक आयोजन में शरद राज को शॉल आदि भेंटकर सम्मानित किया।

नेपाल ने की हमास के कब्जे से नेपाली छात्रों की रिहाई के लिए विश्व समुदाय से अपील

काठमांडू। हमास द्वारा इजराइल पर आक्रमण के दौरान बंधक बनाए गए नेपाली छात्रों की रिहाई का मामला न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उठाया गया है। नेपाल की तरफ से विदेश मंत्री डा. आरजू राणा ने नेपाली छात्रों की जल्द से जल्द रिहाई में मदद मुहैया कराने के लिए विश्व समुदाय से अपील की। न्यूयॉर्क में जारी संयुक्त राष्ट्र महासभा के अवसर पर आयोजित असंलग्न राष्ट्र के विदेश मंत्रियों की बैठक में हमास के कब्जे में लिये गए नेपाली छात्रों की रिहाई के लिए अपील की गई। नेपाल की ओर से प्रतिनिधित्व कर रही विदेश मंत्री डा. आरजू राणा ने हमास द्वारा इजराइल पर आक्रमण के दौरान 10 नेपाली नागरिकों की हत्या किए जाने और करीब दर्जन भर नेपाली नागरिकों को बंधक बना लिये जाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आज करीब एक वर्ष बाद भी हमास के नियंत्रण से नेपाली छात्रों की रिहाई नहीं हो पाई है।

गालियां देकर रोजगार सेवक से की गयी मारपीट

बरेली। मीरगंज के गांव धनेटा में डिजिटल क्रॉप सर्वे के दौरान ग्राम रोजगार सेवक विनोद कुमार से दबंगों द्वारा जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए मारपीट की गयी। इसके विरोध में ग्राम रोजगार सेवक संघ ने इसका विरोध किया। रोजगार सेवक ने मंगलवार को इसकी शिकायत जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर की है। उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ के जिला अध्यक्ष गंगादिन कश्यप के नेतृत्व में थाना फतेहगंज पश्चिमी तहसील मीरगंज के चनेरा निवासी विनोद कुमार पुत्र रामभरोसे लाल इसी ग्राम पंचायत में ग्राम रोजगार सेवक के पद पर कार्यरत है।

कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर की गोली मारकर हत्या

इंदौर। शहर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपनी कार से फैक्ट्री पहुंचे थे, तभी बाइक सवार बदमाशों ने उन पर फायर कर दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। बाणगंगा थाना पुलिस के मुताबिक, मृतक का नाम बलराम राठौर निवासी ग्राम हातोद है। वह एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में मैनेजर थे। मंगलवार सुबह बलराम कार से ग्राम बरदरी में निमार्णाधीन अग्रवाल फैक्ट्री (सुपर कोरीडोर के नजदीक) पर पहुंचे थे।

अल-मामून चार दिन के पुलिस रिमांड पर

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद सैफुज्जमां की अदालत ने आज पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को एक केस में चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। यह केस अगस्त में विरोध प्रदर्शन के दौरान 16 वर्षीय मोहम्मद इस्मामुल हक की मौत से संबंधित है। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार की खबर के अनुसार, शाहबाग पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर और जांच अधिकारी मोहम्मद मैनुल इस्लाम खान पुलुक ने मामून को अदालत में पेश करते हुए 10 दिन का रिमांड मांगा। अदालत ने सिर्फ चार दिन का पुलिस रिमांड मंजूर किया। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद गंभीर आरोपों का सामना कर रहे जेल में बंद पूर्व कानूनमंत्री अनीसुल हक और पूर्व आईजी मामून पर कल एक और केस पंजीकृत किया गया था।

छात्रा से गैंगरेप, एक आरोपित हिरासत में

लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में कक्षा पांचवी की एक छात्रा से हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में मंगलवार को पुलिस ने एक आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने बताया कि सरोजनी नगर क्षेत्र में रहने वाले परिवार की ओर से एक तहरीर दी गई है। इसमें बताया गया कि उनकी 14 वर्षीय बेटी यहां के एक स्कूल में कक्षा पांच की छात्रा है। रोजाना की तरह वह सोमवार को स्कूल से छुट्टी होने पर घर लौट रही थी।

लेखापरीक्षा से धन की सुरक्षा होती है : मुर्मू

- भारतीय संविधान ने कैग के कार्यालय को व्यापक अधिकार और पूर्ण स्वायत्तता प्रदान की है

नई दिल्ली। एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि लेखापरीक्षा संस्थाओं द्वारा लेखापरीक्षा और मूल्यांकन से न केवल सार्वजनिक धन की सुरक्षा होती है, बल्कि शासन में जनता का विश्वास भी बढ़ता है। राष्ट्रपति नई दिल्ली में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा आयोजित 16वीं एशियाई सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थान संगठन (एएसओएसएआई) सभा के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत का कैग देश के सार्वजनिक वित्त में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अकारण नहीं था कि भारतीय संविधान ने कैग के कार्यालय को व्यापक अधिकार और पूर्ण स्वायत्तता प्रदान की है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि कैग का कार्यालय संविधान निमार्ताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है। यह नीति संबंधी और नैतिक आचरण की एक सख्त संहिता का पालन करता है जो इसके कामकाज में सर्वोच्च स्तर की ईमानदारी सुनिश्चित करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के ऑडिट का कार्य पारंपरिक ऑडिटिंग से आगे बढ़कर जन कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं की प्रभावशीलता का आकलन करना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सभी नागरिकों को समान रूप से सेवा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि तेजी से प्रौद्योगिकी-संचालित दुनिया में, अधिक से अधिक सार्वजनिक सेवाएं प्रौद्योगिकी का उपयोग कर-के प्रदान की जा रही हैं।

इसलिए, ऑडिट को अपने निरीक्षण कार्यों को प्रभावी ढंग से करने में सक्षम होने के लिए तकनीकी विकास के साथ बने रहने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज हम ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी जैसी उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियां आधुनिक शासन की रीढ़ बन रही हैं। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना नागरिकों को प्रदान की जाने वाली डिजिटल अर्थव्यवस्था और सेवाओं के कामकाज को समर्थन देने और बढ़ाने के लिए आधार के रूप में कार्य करती है। डिजिटल पहचान से लेकर ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म तक, डीपीआई में सार्वजनिक सेवाओं और वस्तुओं की डिलीवरी में क्रांति लाने की क्षमता है, जिससे वे अधिक सुलभ, कुशल और समावेशी बन सकें। राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों की डिजिटल तकनीकों तक पहुंच कम है, डिजिटल कौशल विकसित करने के कम अवसर हैं और डिजिटल अर्थव्यवस्था में उनका प्रतिनिधित्व कम है। यह विभाजन न केवल आवश्यक सेवाओं तक उनकी पहुंच को सीमित करता है बल्कि असमानता को भी बढ़ाता है। यहीं पर सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (एसएआई) की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। लेखा परीक्षकों के रूप में, उनके पास यह सुनिश्चित करने की अनूठी ज़िम्मेदारी और अवसर है कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को इस तरह से डिजाइन और कार्यान्वित किया जाए जो सभी के लिए समावेशी और सुलभ हो। राष्ट्रपति ने कहा कि वित्तीय दुनिया अक्सर अपारदर्शी लेखा प्रथाओं से घिरी रहती है। इस स्थिति में, स्वतंत्र सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों की भूमिका यह देखना है कि सार्वजनिक संसाधनों का प्रबंधन कुशलतापूर्वक, प्रभावी ढंग और पूरी ईमानदारी के साथ किया जाए। एसएआई द्वारा किए गए लेखा परीक्षा और मूल्यांकन न केवल सार्वजनिक धन की सुरक्षा करते हैं बल्कि शासन में जनता का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

इस अवसर पर भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक गिरीश चंद्र मुर्मू, उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के एस सुब्रमण्यन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भारत के कैग संस्थान का सार्वजनिक लेखा-परीक्षण का समृद्ध इतिहास रहा है

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के कैग संस्थान का सार्वजनिक लेखा-परीक्षण का समृद्ध इतिहास रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 16वीं एएसओएसएआई सभा के मेजबान के रूप में एसएआई इंडिया के पास सभा में एकत्रित विद्वानों के विचार-विमर्श में बहुत कुछ प्रस्तुत करने को होगा। उन्होंने 2024 से 2027 की अवधि के लिए एएसओएसएआई की अध्यक्षता संभालने के लिए एसएआई इंडिया को बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत के कैग के कुशल नेतृत्व में, एएसओएसएआई सदस्यों के बीच अधिक सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देते हुए नई ऊंचाइयों को छुएगा।

इजराइल की लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ एयर स्ट्राइक, कई लोगों की मौत

बेरूत। एजेंसी

इजराइल ने लेबनान में ईरान समर्थित दुर्दांत आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह पर 2006 के बाद का अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। इजराइल के लड़ाकू विमान अब भी दक्षिणी लेबनान में बम गिरा रहे हैं। इजराइल की एयर स्ट्राइक में कम से कम 500 लोग मारे गए और 1600 से अधिक जख्मी हुए। सनद रहे कि गाजा के युद्ध में हिजबुल्लाह के आतंकवादी हमास का साथ दे रहे हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा गया कि लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइली हवाई हमलों में दर्जनों महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 500 लोग मारे गए और 1,600 से अधिक नागरिक घायल हो गए। समूचा लेबनान हमलों से

दहल गया। इससे पहले इजराइल हिजबुल्लाह के संचार नेटवर्क (पेजर और वॉकी-टॉकी) को ध्वस्त कर चुका है।

लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोट में 37 लोगों की जान जा चुकी है। हिजबुल्लाह के आतंकी सीमा परः खबर के अनुसार, अब तक इजराइल हिजबुल्लाह को लेबनान-इजराइल सीमा से पीछे हटने के लिए मजबूर करने में विफल रहा है। हिजबुल्लाह ने कहा है कि इजराइल पर तब तक हमला जारी रखेगा जब तक गाजा में इजराइल और हिजबुल्लाह के सहयोगी हमास के बीच संघर्ष विराम पर सहमति नहीं बन जाती।

हजारों परिवार विस्थापितः लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, ताजा हमलों में हजारों परिवार विस्थापित हो गए। इजराइल ने एम्बुलेंस और दमकल गाड़ियों को भी निशाना बनाया। उधर, इजराइली बलों ने कल मध्य गाजा में एक स्कूल की इमारत पर हमला किया। इस स्कूल में विस्थापित फिलिस्तीनी रह रहे हैं।

अमेरिका में 10 लोगों के कातिल को लगातार 10 आजीवन कारावास की सजा

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका में कुछ साल पहले सामूहिक गोलीबारी में मारे गए 10 लोगों के गुनगहार को अदालत ने दोषसिद्धि के बाद लगातार 10 आजीवन करावास की सजा सुनाई है। यह वारदात 22 मार्च, 2021 को पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के कोलोराडो की किंग सुपर मार्केट में हुई थी। गोलीबारी के बाद बंदूकधारी अहमद अल अलीवी अलीसा को गिरफ्तार कर लिया गया था।

तब से वह सलाखों के पीछे है। इस समय वह 25 साल का है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, अहमद अल अलीवी अलीसा को सोमवार को हत्या का दोषी ठहराते हुए फैसला सुनाया गया। जूरी ने उसके वकीलों की इस दलील को खारिज कर दिया कि मानसिक बीमारी के कारण वह सही और गलत में अंतर नहीं कर पाता। जूरी ने फैसले से पहले

करीब दो सप्ताह तक गवाहों को सुना। गोलीबारी में मारे गए सभी 10 लोगों की आयु 20 से 65 वर्ष के बीच थी। जूरी सदस्यों ने सजा पर लगभग छह घंटे तक विचार-विमर्श किया। इसके बाद न्यायाधीश इंग्रिड एस. बैके ने अलीसा को लगातार 10 आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अलीसा को हत्या के 10 मामलों के अलावा कई अन्य आरोपों में भी दोषी ठहराया गया।

रिश्वत लेते दो अधिकारी गिरफ्तार

सोनीपत। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने सोनीपत में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के एनफोर्समेंट अधिकारी मुकेश खंडेलवाल और पीएफ विभाग के असिस्टेंटकमिश्नर निलंजन गुप्ता को 2 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने एक निजी स्कूल की पीएफ शिकायत के निपटारे के बदले 15 लाख रुपए की मांग की थी। एडवोकेट मोहित ने मंगलवार को बताया कि स्कूल की शिकायत का निपटारा करने के लिए अधिकारियों ने प्रबंधक से यह रिश्वत मांगी थी, लेकिन बाद में सौदा 2 लाख रुपए में तय हो गया। मोहित ने इस मामले की जानकारी एसीबी को दी, जिसके बाद कार्रवाई की योजना बनाई गई। एसीबी टीम ने स्कूल प्रबंधक को रिश्वत की राशि के साथ भेजा।

आसमान से एक संदिग्ध गुब्बारा गिरने से दहशत फैली

जैसलमेर। ग्राम पंचायत भू की कासम खान की ढाणी में मंगलवार को आसमान से एक संदिग्ध गुब्बारा गिरने से दहशत फैल गई। लोगों ने नजदीक जाकर देखा तो गुब्बारे के साथ एक एंटीना लगा हुआ मशीन भी है। लोगों ने डर के मारे पुलिस को इसकी जानकारी दी। जैसलमेर पुलिस मौके पर जाकर इसकी जांच कर रही है। कासम खान की ढाणी के ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार सुबह एक खेत के पास एक गुब्बारा गिरा हुआ मिला। आसपास के लोगों ने मौके पर जाकर गुब्बारे की जांच की। गुब्बारे के साथ एक सफेद कलर की मशीन, एंटीना आदि लगी है। ग्रामीणों को शक है कि गुब्बारा कहीं सीमा पार से तो नहीं आया है। ग्रामीणों ने गुब्बारे कि सूचना जैसलमेर पुलिस को दी। सदर थाना पुलिस मौके पर जाकर गुब्बारे की जांच कर रही है।

फसलों के नुकसान के बारे में मिले सुझावों पर कर रहे हैं काम : शिवराज

नई दिल्ली। एजेंसी

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज पूसा परिसर स्थित अंतरराष्ट्रीय गेस्ट हाउस के बोर्ड मीटिंग हॉल में किसानों और किसान यूनियनों से संवाद किया। इस क्रम में मीडिया से बातचीत में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि देश की रीढ़ है और किसान आत्मा हैं। किसानों की सेवा करना भगवान की पूजा करने जैसा है। उन्होंने कहा कि वे आज किसान संघ के नेताओं से मिले। अलग-अलग किसान संगठनों से भी बातचीत की। उनमें से कुछ फसलों, फसल बीमा योजना और फसलों के नुकसान के बारे में सुझाव दिए हैं। इसके अलावा सभी ने और भी बहुत सारे सुझाव दिए हैं। हम उन सुझावों पर काम कर रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान

कल्याण है। समन्वित और सामूहिक प्रयासों से हम किसानों की उन्नति में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंगलवार को किसानों तथा किसान संगठनों के साथ जो संवाद हमने प्रारंभ किया है, इसी दिशा में आज नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में अलग-अलग किसान संगठनों के किसान भाइयों से भेंट की। वह सबके मन को भाया है। संवाद का यह क्रम निरंतर चलता रहेगा।

उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ दिनों पहले तय किया था कि प्रत्येक मंगलवार किसान संगठनों और किसान भाई-बहनों से भेंट कर चर्चा करेंगे।

खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट मिलाना स्वीकार नहीं: योगी

लखनऊ। एजेंसी

त्रिपति बालाजी मंदिर के प्रसाद लड्डू में मिलावट का मामला सामने आने के बाद उप्र सरकार सतर्क हो गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट, गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। ढाबों और होटलों समेत ऐसे प्रतिष्ठानों की जांच के साथ ही उनमें कार्य करने वाले कर्मचारियों का भी पुलिस सत्यापन किया जाएगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों में घटीं ऐसी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी होटलों, ढाबों, रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में

आवश्यकतानुसार संशोधन के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट, अखाद्य, गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किये जा सकते। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं। ऐसे ढाबों, रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी आवश्यक है। प्रदेशव्यापी सघन अभियान चलाकर इन प्रतिष्ठानों के संचालक सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन किया जाए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस व स्थानीय प्रशासन संयुक्त टीम द्वारा यह कार्यवाही शीघ्रता से सम्पन्न कराई जाए। खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि के नाम और पता प्रमुखता से डिस्प्ले किये जाने चहिये। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ढाबे, होटलों, रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी की व्यवस्था हो।

समारोह › राज्यपाल ने गंगा बहुद्देशीय सभागार में 43 मेधावियों को गोल्ड मेडल दिया

शिक्षा को रोजगार से जोड़कर योजना बनाएं विश्वविद्यालय : आनंदीबेन

- शिक्षा देने के लिए यह तय होना चाहिए, उद्देश्य से शिक्षा दी जा रही है, उसका उपयोग सही हो।
- भवन बनाते समय यहां यह देखना चाहिए कि किस उद्देश्य से भवन बनाया जा रहा है

बलिया। एजेंसी

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को गंगा बहुद्देशीय सभागार में 43 मेधावियों को गोल्ड मेडल दिया। इसके साथ ही उन्होंने 23344 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की। उन्होंने कहा कि विवि रोजगार की दिशा में काम करें। राज्यपाल के हाथों उपाधि प्राप्त करने वालों में स्नातक के 19448 व स्नातकोत्तर के 3894 मेधावी थे। इसमें 9452 छात्र और 13890 छात्राएं थीं। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगल पांडेय और चित्तू पाण्डेय को याद करते हुए कहा कि भारतीय

राजनीति को नई दिशा देने वाले जयप्रकाश नारायण और पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर इसी धरती के थे।

उन्होंने कहा कि गोल्ड मेडल पाने वालों में लड़कियां अधिक हैं। जबकि बेटे पिछड़ रहे हैं। कहा कि आजकल सबसे आसान काम राजनीति है। जिसे लड़के पसंद करते हैं। लड़कों से पूछने पर कहते हैं कि उन्हें नेता बनना है। जबकी लड़कियां शिक्षा के क्षेत्र में काम करना चाहती हैं। राज्यपाल ने कहा कि लड़के बिना कारण भी नेता बनने की इच्छा रखते हैं। जबकि उन्हें सोचना चाहिए कि जयप्रकाश नारायण जैसे महान नेता ने भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए देश के लाखों लोगों का नेतृत्व किया था। राज्यपाल ने शिक्षा के महत्व के बारे में कहा कि विवि ऐसे विद्यार्थी तैयार करें जो सही दिशा में और आवश्यकता के अनुसार काम करें। विश्वविद्यालयों में हम जो पढ़ाते हैं वह जमीन पर सही ढंग से उतरता नहीं है। इसीलिए यह सोचना चाहिए कि जो शिक्षा दी जा रही है वह सही इस्तेमाल हो। शिक्षा देने के लिए यह तय होना चाहिए कि जिस उद्देश्य से शिक्षा दी जा रही है, उसका उपयोग सही हो। कहा कि बलिया बाढ़ क्षेत्र है। भवन बनाते समय यहां यह देखना चाहिए कि किस उद्देश्य से भवन बनाया जा रहा है। एक क्लासरूम का उदाहरण देते हुए कहा कि ब्लैकबोर्ड बन गया था और ऊंचाई इतनी थी कि उस पर पढ़ाना शिक्षक के लिए परेशानी होती थी। मैंने इंजीनियर से कहा कि प्लेटफार्म बनाएं ताकि सबको सुविधा हो। कहा कि कौशल विकास इस जिले के लिए सबसे जरूरी है। यदि हम विद्यार्थियों को कौशल नहीं देंगे तो विकास भी नहीं होगा। बोलीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर विद्यार्थी के लिए पैसे का प्रावधान किया है। कौशल विकास पर फोकस नहीं होगा तो विद्यार्थियों को लाभ कैसे होगा। देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों को बाध्य किया गया है कि विद्यार्थियों को इंटर्नशिप कराएंगे। इससे विद्यार्थियों को रोजगार मिलेगा। एक करोड़ से अधिक बच्चों के लिए बिना ब्याज धनराशि देने का प्रावधान केन्द्र सरकार ने किया है। यह इसलिए किया गया है ताकि रोजगार बढ़े।

रेल दुर्घटना का षड्यंत्र रचने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी: अश्विनी

- रेलवे की सुरक्षा के लिए कवच एक बहुत बड़ा विकास है

जयपुर। एजेंसी

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेल पटरियों पर अवरोधक रख कर दुर्घटना का षड्यंत्र रचने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी, यह हमारा संकल्प है। साथ ही इस तरह की दुर्घटना ना हो, इसके लिए रेलवे प्रशासन पूरी तरह से सतर्कता के साथ काम करेगा। केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव मंगलवार को जयपुर पहुंचने पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय रेल मंत्री मंगलवार सुबह जयपुर पहुंचे, जहां भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने उनका एयरपोर्ट पर स्वागत किया। एयरपोर्ट से मंत्री वैष्णव मुख्यमंत्री हाउस के लिए रवाना हुए। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की और प्रदेश की रेल परियोजनाओं के बारे में चर्चा की। इसके बाद भाजपा जयपुर ग्रामीण के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। उन्होंने महिला मोर्चा के सदस्यों से भी मुलाकात की। वहां से वे गांधीनगर रेलवे स्टेशन पर हुए कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने यहां बन रहे रूफ प्लाजा का भी निरीक्षण किया। यहां से वे कवच प्रणाली का निरीक्षण करने ट्रेन के जरिए सवाई माधोपुर रवाना हुए।

संक्षिप्त खबरें

सचिवालय कपः स्कूल एजुकेशन, सचिवालय डेंजर्स समेत सीत टीमों ने दर्ज की जीत

देहरादून। अन्तर विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता सचिवालय कप 2024 के अंतर्गत मंगलवार को देहरादून के विभिन्न मैदानों पर सात मैच खेले गए। इन मैचों में स्कूल एजुकेशन, स्टेट टैक्स हेडक्वार्टर, बेसिक एजुकेशन, सचिवालय डेंजर्स, सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी, सीएमओ किंग्स 11 ने जीत दर्ज की। दूधली स्थित अश्मित क्रिकेट ग्राउंड में आज का पहला मैच स्कूल एजुकेशन एवं ग्राम्य विकास विभाग के बीच खेला गया। स्कूल एजुकेशन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 05 विकेट के नुकसान पर 281 रन बनाए। टीम की ओर से शैलेंद्र रौथान ने 137 और अर्पित ने 75 रन बनाए। जवाब में ग्राम्य विकास विभाग की टीम 61 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह स्कूल एजुकेशन ने 220 रनों के बड़े अंतर से यह मैच जीत लिया। शैलेंद्र रौथान को मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। अश्मित क्रिकेट ग्राउंड में दूसरा मैच स्टेट टैक्स हेडक्वार्टर एवं कोषागार निदेशालय टाइटंस के बीच खेला गया। स्टेट टैक्स हेडक्वार्टर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 08 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। जवाब में कोषागार टाइटंस की टीम 87 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह स्टेट टैक्स हेडक्वार्टर की टीम ने 63 रनों से यह मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड अंकित चंद को दिया गया।

पंजाब एफसी, राउंडग्लास हॉकी 'गोल्सटूट्रीस' अभियान में होंगे शामिल

मोहाली। पंजाब एफसी और राउंडग्लास हॉकी अकादमी, राउंडग्लास फाउंडेशन के साथ मिलकर #गोल्सटूट्रीस अभियान में भाग लेंगे और पर्यावरणीय कार्य में योगदान देंगे। इस अभियान के तहत, पंजाब और राउंडग्लास हॉकी अकादमी टीमों द्वारा किये गए प्रत्येक गोल के लिए राउंडग्लास फाउंडेशन पंजाब में 500 पेड़ लगाएगा! #गोल्सटूट्रीस अभियान का उद्देश्य खिलाड़ियों और प्रशंसकों के बीच पर्यावरण और वहनीयता के प्रति जागरूकता पैदा करना है। राउंडग्लास फाउंडेशन, अपने प्रमुख बिलियन ट्री प्रोजेक्ट के माध्यम से 1 बिलियन पेड़ लगाने के मिशन पर है। अब तक, फाउंडेशन ने 2.6 मिलियन देशी पेड़ लगाए हैं, जिससे 1,400 से अधिक मिनी जंगलों का निर्माण हुआ है और लगभग 35,000 टन कार्बन को अवशोषित किया गया है। यह परियोजना स्थानीय जैव विविधता को पुनर्जीवित कर रही है, भूजल स्तर को भर रही है, और वायु गुणवत्ता में सुधार कर रही है, साथ ही स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी रोजगार पैदा कर रही है।

अश्विन ने ड्रेसिंग रूम माहौल के लिए की गंभीर की प्रशंसा

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर की उनके 'आरामदायक' दृष्टिकोण के लिए प्रशंसा की, जिसने ड्रेसिंग रूम में जीवंत माहौल बनाने में योगदान दिया है। अश्विन ने भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज की सराहना की और विश्वास जताया कि गंभीर को मौजूदा टीम और भविष्य के सदस्य खूब पसंद करेंगे। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर यह टिप्पणी बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट के दौरान कोच गंभीर के साथ काम करने के अपने पहले अनुभव के बाद की है। इस दिग्गज स्पिनर ने अपने गृहनगर में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में शतक बनाया और दूसरी पारी में छह विकेट लिए, जिससे भारत ने 280 रनों से शानदार जीत हासिल की। अपने यूट्यूब चैनल पर अश्विन ने गंभीर और द्रविड़ के नेतृत्व वाले ड्रेसिंग रूम के बीच अंतर को उजागर किया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि वह बहुत शांत है। मैं उसे 'रिलैक्स्ड रांचो' कहना चाहता हूँ। उस पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है। सुबह, टीम की बैठक होगी। वह इस बारे में भी बहुत शांत है।

हॉकी इंडिया अक्टूबर में दो मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए करेगा जर्मनी की मेजबानी

मैच 23 और 24 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी के प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे

- अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए अपने कौशल को निखारने का मौका होगा

नई दिल्ली। एजेंसी

हॉकी इंडिया (एचआई) ने भारतीय पुरुष टीम और जर्मनी के बीच बहुप्रतीक्षित दो मैचों की द्विपक्षीय हॉकी श्रृंखला की घोषणा की है, जो अक्टूबर 2024 में होगी। भारत ने पिछली बार जर्मनी का सामना पेरिस 2024 ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था, जहां जर्मनी ने 3-2 से जीत हासिल की थी। दोनों मैच 23 और 24 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी के प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा जर्मनी के खिलाफ यह द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में एक समृद्ध इतिहास है, और यह श्रृंखला प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच एक गहन प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देगी।

हम इस आयोजन की मेजबानी करके गौरवान्वित हैं, जो न केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा देगा बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को भी मजबूत करेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह का मानना है कि दोनों टीमों के पास भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए अपने कौशल को निखारने का मौका होगा। उन्होंने कहा भारत-जर्मनी हॉकी प्रतिद्वंद्विता हमेशा एक रोमांचक मुकाबला रही है। हमारे खिलाड़ी ऐसी अच्छी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं, और मेरा मानना है कि यह श्रृंखला दोनों टीमों को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूनामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को निखारने का मौका देगी। हमें इस भारत-जर्मन सहयोग का हिस्सा होने पर गर्व है, जो न केवल व्यापार और कूटनीति बल्कि खेल के प्रति प्रेम को भी साथ लाता है। जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्टरिच इस द्विपक्षीय श्रृंखला को जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

उन्होंने कहा भारत हमेशा से हॉकी के लिए एक विशेष स्थान रहा है, और हमारी टीम उत्साही भारतीय हॉकी प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्साहित है। यह श्रृंखला जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने का एक शानदार अवसर होगा, साथ ही दोनों टीमों को आगामी वैश्विक आयोजनों की तैयारी के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करेगा। हम ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने की चुनौती और अनुभव का इंतजार कर रहे हैं।

इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने 2012 की ब्लैकफेस फोटो के लिए मांगी माफी

लंदन। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट को क्रिकेट अनुशासन आयोग (सीडीसी) ने 2012 में ब्लैकफेस वाली तस्वीर के लिए फटकार लगाई है और 1000 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड का जुमार्ना लगाया है, उनके इस व्यवहार को ₹नस्लवादी और भेदभावपूर्ण आचरण माना गया है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, 2012 में क्रिकेट क्लब पार्टी में स्पोर्ट्स स्टार थीम वाली फैंसी ड्रेस पार्टी में किसी तीसरे पक्ष द्वारा ली गई तस्वीर ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निर्देश 3.3 का उल्लंघन किया, जिसमें उस समय कहा गया था, कोई भी व्यक्ति खुद को इस तरह से संचालित नहीं कर सकता है या कोई ऐसा कार्य या चूक नहीं कर सकता है जो क्रिकेट के हितों के लिए हानिकारक हो या जो क्रिकेट के खेल या किसी क्रिकेटर या क्रिकेटरों के समूह को बदनाम करे। नाइट, जो उस समय 21 वर्ष की थी, ने आरोपों को स्वीकार कर लिया और अपने आचरण के लिए माफी मांगी। ईसीबी द्वारा जारी एक बयान में नाइट ने कहा, ₹2012 में मैंने जो गलती की थी, उसके लिए मैं सच में खेद व्यक्त करती हूं। यह गलत था, और मुझे लंबे समय से इसका पछतावा है।

डेविस कप फाइनल आठ मुकाबले के लिए स्पेन की टीम में शामिल हुए राफेल नडाल

नई दिल्ली। एजेंसी

राफेल नडाल को नवंबर में मैलागा में होने वाले डेविस कप फाइनल आठ मुकाबले के लिए स्पेन की टीम में शामिल किया गया है। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से कहीं भी प्रतिस्पर्धा नहीं की है, जहां वह पुरुष एकल में नोवाक जोकोविच से दूसरे दौर में हार गए थे, और कार्लोस अल्काराज के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे, जहां उन्हें अमेरिकी ऑस्टिन क्राजिसेक और राजीव राम से हार का सामना करना पड़ा था। पेरिस खेलों के बाद, नडाल ने स्वास्थ्य समस्याओं के कारण यूएस ओपन 2024 और लेवर कप 2024 से अपना नाम वापस ले लिया था। वह स्पेन की टीम में अल्काराज, रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत, पाब्लो कैरेनो बुस्टा और मार्सेल ग्रैनोलर्स के साथ शामिल होंगे। डेविड फेरर टीम के कोच होंगे। शीर्ष आठ राष्ट्रों ने ग्रुप फाइनल से क्वालीफाई किया और वे स्पेन के तटीय शहर में खेलेंगे। मेजबान स्पेन का सामना नीदरलैंड से होगा जबकि कनाडा का सामना जर्मनी से होगा। मुकाबले में दो एकल और एक युगल निर्णायक होगा। मौजूदा चैंपियन इटली ग्रुप फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर के बिना था।

जिसमें उसने अपने तीनों मुकाबले जीते थे, लेकिन दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मालागा में वापसी कर सकते हैं। उसका सामना अर्जेंटीना से होगा, जिसने ब्रिटेन और कनाडा सहित एक कठिन समूह से क्वालीफाई किया था। इटली और स्पेन ड्रॉ के विपरीत पक्षों पर हैं, जिसका अर्थ है कि सिनर और तीसरे स्थान पर रहने वाले कार्लोस अल्काराज के बीच संभावित फाइनल मुकाबला हो सकता है।

ग्रुप फाइनल में भी अमेरिका की स्थिति कमजोर थी, लेकिन 32 बार डेविस कप चैंपियन मलागा में अपने कुछ बड़े खिलाड़ियों को शामिल कर सकता है, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया से आगे निकलने की जरूरत होगी, जो 28 खिताबों के साथ दूसरा सबसे सफल देश है। अंतिम आठ नॉकआउट राउंड 19-24 नवंबर के बीच पलासियो डी डेपोर्टेस जोस मारिया मार्टिन कार्पेना में होंगे।

रहाणे करेंगे मुंबई की कप्तानी

नई दिल्ली। एजेंसी

अजिंक्य रहाणे लखनऊ में शेष भारत के खिलाफ 1 से 05 अक्टूबर तक होने वाले आगामी ईरानी कप मैच में रणजी ट्रॉफी चैंपियन मुंबई की अगुवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, इस मैच में ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की भी सर्जरी के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी होगी। समझा जाता है कि श्रेयस अय्यर, मुशीर खान, शम्स मुलानी और तनुश कोटियन सहित सभी शीर्ष खिलाड़ी इस मैच में खेलेंगे। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि भारतीय टीम में शामिल सरफराज खान को इस मुकाबले के लिए चुना जाएगा या नहीं। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट 27 सितंबर से शुरू हो रहा है और अगर सरफराज को प्लेइंग इलेवन में नहीं चुना जाता है, जो कि हो सकता है, तो मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन अपने प्रमुख बल्लेबाज को ईरानी कप में खेलने देने का अनुरोध कर सकता है। टीम की घोषणा आज हो सकती है। यह समझा जाता है कि भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे, जो दोनों ही भारतीय टी20 टीम में स्वतः चयनित हैं, ईरानी कप नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें 6 अक्टूबर से शुरू होने वाली टी20आई श्रृंखला के लिए 3 अक्टूबर को ग्वालियर में रिपोर्ट करना होगा।

आईसीसी ने की महिला टी20 विश्व कप के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के नौवें संस्करण के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। दस अंपायर और तीन मैच रेफरी 3 से 20 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित टूर्नामेंट का संचालन करेंगे। अंपायरों के अनुभवी समूह में क्लेयर पोलोसाक सहित अनुभवी अधिकारी शामिल हैं, जो अपने पांचवें आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप में अंपायरिंग करेंगे, जबकि किम कॉटन और जैकलिन विलियम्स मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अंतिम चैंपियन, ऑस्ट्रेलिया, के बीच।पिछले फरवरी में केप टाउन में हुए फाइनल की जिम्मेदारी संभालने के बाद अपने चौथे विश्व कप में अंपायरिंग करेंगे। सू रेडफर्न, जो उस फाइनल में टीवी अंपायर थीं, भी टूर्नामेंट में अपनी चौथी उपस्थिति के लिए वापस आ गई हैं। स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, जिम्बाब्वे की सारा दंबनेवाना अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

मैच रेफरी की टीम में जीएस लक्ष्मी शामिल हैं, जिन्होंने 2012 में अपना पहला टी20ई रेफरी किया था और 2023 में फाइनल की देखरेख की थी। उनके साथ शैंड्रे फ्रिट्ज और मिशेल परेरा भी शामिल हैं, जो अपने दूसरे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में रेफरी की भूमिका में हैं। आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक - अंपायर और रेफरी, सीन इजी ने कहा आईसीसी को हमारे खेल में महिलाओं की उन्नति में योगदान देने पर गर्व है। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैच अधिकारियों की इस पूर्ण महिला लाइनअप की घोषणा करना अद्भुत है। द्विपक्षीय और अन्य क्रिकेट में अपने हालिया फॉर्म के बाद इस आयोजन के लिए सबसे योग्य अंपायरों के रूप में चुने गए इस समूह में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन अंपायर हैं।

वाणिज्य

एआईआईबी की 9वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने ताशकंद पहुंचीं सीतारमण

ताशकंद/नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए उजबेकिस्तान के ताशकंद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री एआईआईबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर ताशंकद पहुंचीं।

ताशकंद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीतारमण का स्वागत उज्बेकिस्तान में भारत की राजदूत सुश्री स्मिता पंत और उज्बेकिस्तान गणराज्य के निवेश, उद्योग और व्यापार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और आलोक बैंक के निदेशक ने किया। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 24 से 28 सितंबर, 2024 तक उज्बेकिस्तान की पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरान वह एआईआईबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की नौवीं वार्षिक बैठक में भाग लेंगी। वित?त मंत्री के साथ वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी आया है।

सेबी बोर्ड मीटिंग 30 सितंबर को

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज ऐंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) बोर्ड की बैठक 30 सितंबर को होगी। माना जा रहा है बैठक में सेबी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच से जुड़े आरोपों पर भी चर्चा हो सकती है। शॉर्ट सेलर फॉर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के माधवी पुरी पर आरोप लगाए जाने के बाद सेबी बोर्ड की यह पहली बैठक हो रही है। हिंडनबर्ग के आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस ने भी अलग-अलग किस्तों में सेबी चेयरपर्सन पर कई आरोप लगाए हैं। ऐसे संकेत मिले हैं कि चेयरपर्सन पर लगाए गए आरोपों पर बोर्ड की बैठक में चर्चा जरूर होगी, लेकिन उस वक्त माधवी पुरी बुच खुद को चर्चा से अलग कर लेंगी। बैठक का एजेंडा अभी तक तय नहीं किया गया है। बावजूद सके जानकारों का कहना है की आरोपों पर होने वाली चर्चा को आमतौर पर बोर्ड मीटिंग के एजेंडा में लिस्ट नहीं किया जाता है, लेकिन इन आरोपों पर चर्चा जरूर होगी। बोर्ड मीटिंग में सेबी द्वारा पेश किए गए 11 कंसल्टेशन पेपर्स पर भी चर्चा की जा सकती है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार होता रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बन रहा। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी बनी हुई है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स पिछले सत्र में रिकॉर्ड हाई पर बंद होने में सफल रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,718.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,974.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 109.47 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,015.18 स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिका की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,259.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,508.08 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में तेजी का रिकॉर्ड, नए शिखर पर सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार लगातार पांचवे कारोबारी दिन मजबूती का नया रिकार्ड बनाने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक ऑल टाइम हाई के नए रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गए। सेंसेक्स पहली बार 85 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। हालांकि सुबह 10 बजे के करीब मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 3.29 प्रतिशत से लेकर 1.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, एलटी माइंडट्री और एचडीएफसी लाइफ के शेयर 1.41 प्रतिशत से लेकर 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,336 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,365 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 971 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

बजट घोषणाओं की समय पर क्रियान्विति सुनिश्चित करें:जोराराम कुमावत पशुपालन मंत्री

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 24 सितम्बर । पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में पशुपालन और गोपालन विभागों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में श्री कुमावत ने मुख्य रूप से बजट घोषणा की क्रियान्विति, पौधारोपण की प्रगति, मोबाइल वेटनरी यूनिट के लिए कॉल सेंटर की शुरूआत, पशु चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की आपूर्ति, विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं लंबित मामलों की प्रगति के बारे में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए।नवीन पशु चिकित्सा उपकेद्रों के खोले जाने पर उन्होंने कहा कि जो भी केद्र खोले जाएं वे पूर्ण रूप से क्रियाशील हों। जब तक इनका भवन निर्माण नहीं होता है तब तक किराए के भवन अथवा यन्य सरकारी भवनों में सुचारू रूप से इनका संचालन हो ताकि पशुपालकों को इनका लाभ मिल सके और इन्हें खोलने का हमारा उद्देश्य पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि सभी उपकेंद्रों को आधारभूत सुविधाओं के लिए एक तय न्यूनतम राशि देने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने सभी पशु चिकित्सालयों में पशुओं के पीने के लिए पानी की खेळी का निर्माण कराने के निर्देश दिए जिससे चिकित्सालय में आने वाले बीमार पशुओं पीने के पानी की सुविधा मिल सके। कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भर्तियों के मामले में बहुत गंभीर हैं अतः विभाग को सक्रिय होकर अपने खाली पदों को भरने के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने खाली पड़े पशु चिकित्सकों के पदों की सूची बनाकर नयी नियुक्तियों की स्वीकृति प्रक्रिया आरंभ करने और स्वीकृत पदों की अभ्यर्थना भिजवाने के निर्देश दिए।मोबाइल वैन यूनिट पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कॉल सेंटर शुरू नहीं हाने के कारण अभी इसका अधिकतम उपयोग नहीं हो पा रहा है। इसके अधिकतम उपयोग के लिए जल्द से जल्द कॉल सेंटर शुरू करना जरूरी है। बैठक में अधिकारियों के साथ चर्चा में यह तय किया गया कि अक्टुबर के पहले सप्ताह में कॉल सेंटर की शुरुआत कर दी जाएगी। दवाईयों की व्यवस्था को और अधिक सुचारू बनाने के निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि अभी भी नीचे के स्तर पर दवाईयां समय पर नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम के बाद बीमारियां अधिक फैलती हैं। उन्होंने विभाग को अगले 15 दिनों में दवाईयों की आपूर्ति शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पशुपालन मंत्री ने कहा कि भारत सरकार पशुपालन विभाग को गंभीरता से ले रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसमें विशेष रुचि ले रहे हैं ऐसे में हमें कुछ नए प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेजना चाहिए और जो केंद्रीय योजनाएं चल रही हैं उनका अधिक से अधिक लाभ लेने का प्रयास करना चाहिए।गोपालन विभाग को निर्देश देते हुए कुमावत ने कहा कि केंद्र सरकार की योजना के तहत हमें हर संभाग पर गौ अभ्यारण्य बनाने हैं। इसके अलावा 100 गोशालाओं को गोकाष्ठ मशीन दिलाने के लिए जल्द से जल्द कार्यवही के निर्देश दिए। पंचायत स्तर पर नंदीशाला और पंचायत समिति स्तर पर गौशाला के निर्माण में भी कार्यवाही तीव्र गति से बढाने के निर्देश उन्होंने दिए। उन्होंने कहा कि गांशालाओं की योजनाओं में चल रही पेंडेंसी का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाना चाहिए और बजट घोषणा के सभी निर्णयों की क्रियान्विति सुनिश्चित की जानी चाहिए बैठक में शासन सचिव पशुपालन, डॉ समित शर्मा, ने सुझाव दिया कि मोबाईल वैन यूनिट कॉल मोड के साथ साथ कैंप मोड पर भी चलाना चाहिए जिससे इसका अधिकतम लाभ पशुओं और पशुपालकों को मिल सके और 5 सालों में एक बहुत बड़ा अंतर देखने को मिल सके। शासन सचिव ने कहा कि सर्वाधिक उपयोग वाली दवाओं की सूची बनाकर उनकी उपलब्धता हर संस्थान में हर समय सुनिश्चित की जाएगी।इस अवसर पर कुमावत ने 21वीं अखिल भारतीय पशुधन गणना 2024 के निर्देश पुस्तिका विमोचन भी किया। उल्लेखनीय है कि प्रति पांच वर्ष में देश में पशुधन की गणना की जाती है। पिछली पशुधन गणना वर्ष 2019 में हुई थी।बैठक में निदेशक पशुपालन डॉ. भवानी सिंह राठौड़, गोपालन निदेशक भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गड्ढा ढूंढो - इनाम पाओ'

● **कट्स द्वारा प्रयोजित प्रतियोगिता**

चमकता राजस्थान। जयपुर(संवाददाता खालील कुरैशी। जयपुर, 24 सितंबर 24 को गुलाबी शहर जयपुर की सड़कों की स्थिति इतनी खराब है! कि शहर के कई हिस्सों में कई खुदे हुए गड्ढों के कारण लोग परेशान हो रहे हैं। कुछ स्थानों पर सड़कों को खुदाई के ढेरों में बदल दिया गया है, जबकि अन्य जगहों पर गड्ढे इतने गहरे हैं! कि वे न केवल शहर की परिवहन व्यवस्था को बाधित कर रहे हैं, बल्कि दुर्घटनाओं को भी निमंत्रण दे रहे हैं। ऐसे में कट्स एक अग्रणी उपभोक्ता संस्था, जो जयपुर में स्थित है! और कई वर्षों से 'स्वच्छ और सुरक्षित शहर' के मुद्दे पर सक्रिय रूप से काम कर रही है, के द्वारा एक अनूठी प्रतियोगिता 'गड्ढा ढूंढो - इनाम पाओ' नामक अभियान का आयोजन कर रही है। इस अभियान के तहत आम लोगों से सड़कों पर मौजूद गड्ढों की तस्वीरें और पूरी जानकारी मांगी जा रही है। इसके लिए प्रविष्टियां अमंत्रित की गई हैं! सभी प्रविष्टियाँ डी-217, भास्कर मार्ग, बनी पार्क, जयपुर के पते पर 15 अक्टूबर, 2024 से पहले भेजी जा सकती हैं। तस्वीरें नीचे दिए गए ईमेल आईडी पर और व्हाट्सएप नंबर 9799996095 पर भेजी जा सकती हैं।
प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जयपुर के सड़क रख रखाव के लिए जिम्मेदार जे.डी.ए., नगर निगम और अन्य विभागों के संबंधित अधिकारियों को सड़कों की वास्तविक स्थिति से अवगत करवाना है, ताकि वे तत्काल और आवश्यक कार्रवाई करके जयपुर की सड़कों को विश्व स्तरीय शहर के रूप में तैयार कर सकें। उन प्रतिभागियों में से, जो सबसे अधिक संख्या में गड्ढों की तस्वीरें कट्स को भेजेंगे, उनमें से तीन विजेताओं का चयन किया जाएगा और उन्हें पुरस्कार दिया जाएगा। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के विजेताओं को प्रमाण पत्र और क्रमशः रुपये 10,000, 7,000, और रुपये 5,000 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कारों का निर्धारण तस्वीरों की संख्या और गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा।

एडीजे ने किया सीएचसी मनियां स्थित प्रसूति गृह का निरीक्षण

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर, 24 सितम्बर 24 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर अध्यक्ष के निर्देशन में सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर सचिव रेखा यादव द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनियां में स्थित प्रसूति गृह का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव रेखा यादव द्वारा प्रसूति गृह की सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अस्पताल प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही मूल सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रसूति गृह भर्ती प्रसूताओं से भी चर्चा कर चिकित्सालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक निर्देश दिये गये।

26 सितंबर को होगा कौशल रोजगार एवं उद्यमिता शिविर एवं करियर सेमिनार का आयोजन

● **राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय सांभरलेक में होगा आयोजन**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 24 सितंबर। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा गुरुवार 26 सितंबर 2024 को सांभरलेक स्थित राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर एवं करियर सेमिनार का आयोजन होगा।उप-प्रादेशिक रोजगार कार्यालय की उप निदेशक नवरेखा ने बताया कि प्रातः 10 बजे से आयोजित होने वाले रोजगार शिविर में रोजगार, स्वरोजगार, प्रशिक्षण, करियर मार्गदर्शन से संबंधित निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के करीब 45 संस्थान योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करेंगे उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2024-25 के क्रियान्वयन के तहत आयोजित शिविर में बडी संख्या में बेरोजगार उम्मीदवार भाग लेंगे एवं निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों द्वारा चयनित उम्मीदवारों को मौके पर ही ऑफर लेटर देकर अन्तिम चयन किया जायेगा।

नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर ने लिया अखिल भारतीय महापौर परिषद की 114वी कार्यकारिणी बैठक में हिस्सा

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) 24 सितंबर। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर दो दिवसीय इंदौर दौरे पर है मंगलवार को महापौर डॉ सौम्या गुर्जर ने अखिल भारतीय महापौर परिषद की 114वी कार्यकारिणी बैठक में हिस्सा लिया बैठक में कार्यकारिणी की अग्रिम परियोजनाओं पर चर्चा की गई महापौर ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर द्वारा बनाए गए विश्व कीर्तिमान ,नवाचारों से समिति अध्यक्ष सहित विभिन्न शहरों से आए हुए महापौर को अवगत कराया साथ ही 56 दुकान स्थान का निरीक्षण करते हुए वहां मौजूद आमजन से स्वच्छता के अनुशासन के बारे में जाना कि किस प्रकार हर बार इंदौर स्वच्छता में नई कीर्तिमान गढ़ता है इस पर आम जन ने कहा कि अनुशासन से ही यह संभव है महापौर ने कहा कि जिस प्रकार से इंदौर की रैंकिंग में वहां के शहर वासियों का अहम योगदान है उसी प्रकार शहर वासियों के अनुशासन ,सजगता से ही शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाया जा सकता है महापौर ने 56 दुकान पर व्यंजनों का स्वाद चखा साथ ही उज्जैन महाकाल के दर्शन भी किये।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिया बड़ा फैसला

राज्य सेवा के विभिन्न अधिकारियों के विरुद्ध की अनुशासनात्मक कार्रवाई–

आरएएस भर्ती परीक्षा पेपर लीक के आरोपी व्याख्याता को किया बर्खास्त

चमकता राजस्थान

जयपुर,! (खलील कुरैशी)24 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पारदर्शी, जवाबदेही एवं भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में राज्य सरकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में शुचिता लाने की नीति के तहत शर्मा ने आरएएस प्रारंभिक परीक्षा-2013 में पर्चा लीक करने वाले आरोपी व्याख्याता को राजकीय सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। यह कार्रवाई राजकीय सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों पर रोक) अधिनियम 1992 के अन्तर्गत की गई है।इसी तरह मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 17-ए के तहत जल जीवन मिशन मामले में 12 अधिकारियों के विरूद्ध परिवाद दर्ज कर विस्तृत जांच एवं अनुसंधान के लिए पूर्वानुमोदन प्रदान किया है। शर्मा ने सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध नियम 16 सीसीए में संचालित अनुशासनात्मक कार्रवाई के 4 मामलों में प्रमाणित आरोपों का अनुमोदन करते हुए सेवारत अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकने का निर्णय भी लिया है।

मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आनन्दी के निर्देशन में जेडीए द्वारा शहर में किया जा रहा है पेच रिपेयर वर्क

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 24 सितम्बर। स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मार्गदर्शन में जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी के निर्देशों पर अभियांत्रिकी शाखा द्वारा आमजन की सुविधार्थ जयपुर शहर में अतिवर्षा एवं अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त सड़कों का पेचवर्क त्वरित गति से निरंतर करवाया जा रहा है। जेडीसी आनन्दी के निर्देशानुसार जेडीए टीम द्वारा धानक्या रोड, पानीपेच, महारानी फार्म, खातीपुरा तिराहा, आनंद वन सिरसी रोड, नेहरू बालोद्यान के पास, वेस्ट वे हाइट्स स्कीम, वंदे मातरम रोड एवं नायला रोड, कानोता में सड़कों का पेचवर्क करवाया गया है। समस्त अभियंताओं द्वारा अपने-अपने कार्यक्षेत्र में मौके पर उपस्थित रहकर क्षतिग्रस्त सडकों का युद्धस्तर पर पेच रिपेयर कार्य करवाया जा रहा है। इसके साथ ही जेडीए द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 के मद्देनजर जेडीए क्षेत्राधिकार में पार्कों - उद्यानों एवं मुख्य सडकों पर उद्यानिकी संबंधित रख रखाव एवं साफ - सफाई कार्य त्वरित गति से करवाये जा रहे है। उल्लेखनीय है कि जेडीए के अन्तर्गत आने वाली 60 फीट से उपर की मुख्य सड़कों को दीवाली से पूर्व पेचवर्क किया जाना प्रस्तावित है, इन सड़कों की मरम्मत हेतु लगभग 2 लाख 80 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में कार्य किया जाना है। इसमें जविप्रा द्वारा डामरीकरण से लगभग आठ हजार वर्गमीटर का कार्य, जीएसबी, डब्ल्यूएमएम से एक लाख 22 हजार वर्गमीटर, कोल्डमिक्स डामर से लगभग 15 हजार 500 वर्गमीटर क्षेत्र में मरम्मत का कार्य किया जा चुका है।

महत्वपूर्ण बिंदुओं पर दिये अतिआवश्यक दिशा-निर्देश

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने की मौसमी बीमारियों की समीक्षा के संबंध में बैठक आयोजित

डेडीकेटेड ओपीडी संचालित करने के निर्देश, चिकित्सा कार्मिकों के अवकाश निरस्त

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 24 सितम्बर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रदेश में मौसमी बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम एवं बेहतर उपचार की दृष्टि से विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहते हुए पुख्ता प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा मंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश के बड़े चिकित्सा संस्थान, जहां रोगी भार अधिक है वहां मौसमी बीमारियों के लिए डेडीकेटेड ओपीडी का संचालन किया जाएगा। साथ ही, प्रदेश में चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्यकार्मिकों के अवकाश निरस्त किए गए हैं। विभागीय कार्मिक अति आवश्यक स्थिति में सक्षम स्तर से अनुमति उपरांत ही अवकाश पर जा सकेंगे खींवसर मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मौसमी बीमारियों के रोगियों को समुचित उपचार सुगमता से मिले इसके लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त व्यवस्थाएं की जाएं। बैड्स, दवा एवं जांच आदि को लेकर मरीजों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। चिकित्सक आवश्यक रूप से चिकित्सा संस्थानों में उपस्थित रहें।

नए पदस्थापन स्थान पर तत्काल करें ज्वाइन

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि जिन चिकित्सकों या पैरामेडिकल स्टाफ ने पदोन्नति या पदस्थापन के बाद ज्वाइन नहीं किया है, वे तत्काल रूप से अपने पदस्थापन स्थान पर उपस्थिति दें। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, सीएचसी एवं पीएचसी स्तर पर चिकित्सक एवं अन्य कार्मिक पूरी मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। रोगियों के उपचार में किसी तरह की लापरवाही नहीं हो।

ये अधिकारीगण रहे मौजूद

बैठक में चिकित्सा शिक्षा सचिव अंबरीश कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक डॉ सुशील भाटी, अतिरिक्त निदेशक राजपत्रित डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य डॉ. प्रवीण असवाल, अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. सुशील परमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

● **राज्य एवं जिला स्तरीय अधिकारी करें औचक निरीक्षण**

खींवसर ने मौसमी बीमारियों की प्रभावी मॉनिटरिंग पर जोर देते हुए कहा कि राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय अधिकारी चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण कर वहां मौसमी बीमारियों के प्रबंधन की जांच करें। साथ ही, राज्य स्तर पर इस संबंध में नियमित रिपोर्ट प्रेषित की जाए। दवा, जांच किट या अन्य संसाधनों की आपूर्ति निर्बाध रूप से हो। किसी भी तरह की समस्या होने पर तत्काल उच्च स्तर पर अवगत कराया जाए।संबंधित विभागों के साथ रखें समुचित समन्वयचिकित्सा मंत्री ने कहा कि मौसमी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नगरीय निकाय विभाग सहित सभी संबंधित विभागों से भी आवश्यक समन्वय स्थापित किया जाए। साथ ही, व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए आमजन को मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय अपनाने के लिए जागरूक किया जाए।चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित समीक्षा की जा रही है। सभी जिलों में अतिरिक्त मेडिकल टीमें लगाकर उपचार एवं बचाव गतिविधियों को व्यापक रूप दिया जा रहा है। साथ ही, मौसमी बीमारियों की स्थिति की जिलेवार समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।उन्होंने निर्देश दिए कि मलेरिया, चिकुनगुनिया, स्क्रब टायफस आदि मौसमी बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में रेपिड रेस्पॉन्स टीमें भ्रमण कर गंभीर रोगी की जांच एवं उपचार प्रदान करें। आवश्यकता होने पर चिकित्सा संस्थान में रेफर करें तथा बचाव व नियंत्रण संबंधी कार्यों यथा एन्टीलार्वल, मच्छर रोधी, फोगिंग, सोर्स रिडक्शन आदि गतिविधियों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित करें।निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि चिकित्सा विभाग के निरंतर प्रयासों एवं प्रभावी मॉनिटरिंग से इस वर्ष अधिकांश जिलों में मौसमी बीमारियों के केस विगत वर्ष के मुकाबले आधे हैं। अन्य राज्यों के मुकाबले प्रदेश में मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण की स्थिति बेहतर है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929